ISSN 2349-6614

सितम्बर 2023

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

चांद पर तिरंगा

BANSWARA

BANSWARA SYNTEX LIMITED

" Fashioning a successful line of clothing starts with "

SPECIALIZED IN STRETCH FABRICS & GARMENTS MANUFACTURING

A Global Player in the business of fashion offering integrated Textile Solution to Leading Brands World - wide & An Ideal Garment Solution provider to Domestic & Global Readymade Brands.

YARN

- Synthetic Blended Yarn
- Worsted Yarn
- Fiber Dyed Yarn
- Natural Fiber Yarn
- High Twist Yarn
- Compact Yarn

FABRIC

- Synthetic Fabric
- Worsted Fabric
- Stretch Fabric
- Technical Fabric
- Fire Retardant Fabric
- Knitted Fabric

GARMENT

- Fashion
- Formal
- Casual
- Smart Comfort Casual

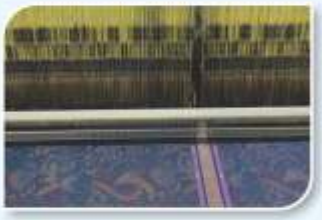

Reg office & Mills :
Industrial Area , Dahod Road , Banswara - 327001, Rajasthan
Tel: + 91-2962-257680,257694 , E-mail: info@banswarasyntex.com

Mumbai Office :
Gopal Bhavan (5th Floor), 199, Princess Street, Mumbai - 400 002
Phone : + 91-22-66336571-76, E- mail: info@banswarasyntex.com

Garment Unit :
Banswara Garments , 98/3, Village Kadaiya, Nani Daman, (U.T.)
Tel: + 91-260-2221345,2221505, E-mail: info@banswarasyntex.com

Surat Unit :
Plot No.5-6, G.I.D.C., Apparel Park SEZ, Sachin SURAT- 394230 (Gujarat),
Tel: + 91-261-2390363, E-mail:info@banswarasyntex.com

CIN: L24302RJ1976PLC001684

An IS / ISO 9001 : 2008 Company

www.banswarasyntex.com

सितम्बर 2023 वर्ष 21 अंक 05

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

अंदर के पृष्ठों पर...

शोध/अध्ययन

तीन दशक में दोगुने से ज्यादा होंगे मधुमेह के मरीज
पेज 10

मिसाल

जब गांव से सीखा था मिलजुल रहना
पेज 14

चुनाव: राजस्थान

घोषणा पत्र के लिए स्थानीय मुद्दों की तलाश
पेज 20

भाषा संगम

हिंदी सिनेमा के फलक पर उभरते दक्षिण के सितारे
पेज 24

परम्परा

आदिवासी गांवों में पशु-रक्षा का लोकानुष्ठान: बेडियू
पेज 35

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

दी उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड

THE UDAIPUR URBAN CO-OPERATIVE BANK LTD.

Regd. Office : 9C-A, Madhuban, 1st Floor, Udaipur, Rajasthan –313 004 Ph.: 0294-2560783

E-mail : headoffice@uucbudaipur.com Website : www.uucbudaipur.com

Our ATM's at :

- Madhuban Br.
- Kharol Colony
- Arvanah Mall
- Boharwadi
- Hiran Magri Br.

Facilities Available

- RTGS/NEFT Through **Our Own IFSC**
- NACH Facility
- RuPay Debit Card
- ATMs Debit Card
- SMS Facility
- Aadhar Based Payment Facility
- PM Jeevan Jyoti Beema Yojna
- PM Jeevan Suraksha Beema Yojna
- Mobile Banking
- IMPS

CASH DEPOSIT & PASSBOOK PRINTING KIOSK FACILITY AT SELECTED BRANCHES

Our Branches IFS code & Mob No.

Pannadhay - UUCB0786009
Mob : 9251638237

Dhanmandi - UUCB0786002
Mob : 9251638230

Bada Bazar - UUCB0786003
Mob : 9251638231

Fatehpura - UUCB0786004
Mob : 9251638232

Hiran Magri - UUCB0786007
Mob : 9251638235

Madhuban - UUCB0786010
Mob : 9251638238

Krishi Upaj Mandi - UUCB0786011
Mob : 9251638239

Sukher Industrial Area - UUCB0786012
Mob : 9251638240

Fatehnagar - UUCB0786005
Mob : 9251638233

Salumber - UUCB0786006
Mob : 9251638234

Ambamata Scheme - UUCB0786013
Mob : 9251638241

Pratapnagar - UUCB0786014
Mob : 9251638242

Rajsamand - UUCB0786008
Mob : 9251638236

Qutbuddin Shaikh
Chief Executive Officer

Tauseef Hussain
Chairman

शरारती तत्वों के दुस्साहस पर लगे लगाम

हरियाणा के नूंह और फिर आसपास के क्षेत्रों में पिछले दिनों फैली हिंसा के बाद हालांकि अब हालात सामान्य हो रहे हैं, लेकिन यह घटना इस बात को स्पष्ट दर्शाती है कि शरारती तत्वों के दुस्साहस पर लगाम न लग पाने के कारण ही जब-तब शांति और सद्भाव को पलीता लगता रहता है। नूंह की घटना के अनेक चित्र सामने आ चुके हैं, जिनमें बृज मंडल यात्रा निकालने से पूर्व ही हिंसा भड़काने की तैयारियां साफ नजर आती हैं। जब यात्रा से पहले ही लोग हिंसा की आशंका जताने लगे थे, तो फिर पुलिस-प्रशासन को इसका अनुमान लगाने में चूक कहां हुई ? क्या यह घोर लापरवाही वाली मानसिकता का प्रमाण नहीं ? जब कि पुलिस का काम ही हर नागरिक को सुरक्षा देना है। यदि यह मान भी लिया जाए कि यात्रा आयोजकों ने पुलिस और प्रशासन को इस बात की ठीक-ठीक जानकारी नहीं दी थी कि यात्रा में कितने लोग शामिल होंगे, क्या उसका रूट और स्वरूप रहेगा, तो भी यह पुलिस की ही जिम्मेदारी थी कि वह हिंसा की संभावना वाले क्षेत्रों और स्थितियों की पहचान स्वयं कर उससे बचाव के उपाय कर आयोजकों को भी पाबंद करती। मगर वहां तो सब कुछ पहले से स्पष्ट होने के बावजूद पुलिस व प्रशासन आंख मूंद कर बैठा रहा। जिसका नतीजा कितना भयावह हुआ, कहने या लिखने की जरूरत नहीं, सबके सामने है। इसी दौरान मुख्यमंत्री मोहनलाल खट्टर ने यह बयान देकर कि पुलिस हर नागरिक को तो सुरक्षा नहीं दे सकती, पुलिस की नाकामियों पर पर्दा डालने का तो प्रयास किया ही, लेकिन एक राज्य के मुखिया के नाते उनका यह बयान शर्मनाक भी था। इस तरह की बातों से दगांइयों को ही शह मिलती है। इन घटनाओं में 6 लोगों को जान गंवानी पड़ी तो बेशुमार निजी और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचा। हाँ, मुख्यमंत्री का यह बयान स्वागत योग्य है कि हिंसा से जिम्मेदार लोगों से ही सम्पत्ति की क्षतिपूर्ति करवाई जाएगी।

हरियाणा की घटनाओं के सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उप-द्रवियों की पहचान के लिए उनकी रिकार्डिंग सुरक्षित रखी जाए, लेकिन नूंह की घटना ने यह साबित कर दिया है कि यह उपाय शायद ही कारगार हो पाए, क्योंकि भीड़ ने जब थाने पर हमला बोला तो सबसे पहले वहां के सारे कैमरे तोड़े गए। हमलावर नकाब लगाए हुए थे। अतएव कैमरे लगा देने मात्र से उपद्रवी हतोत्साहित हो जाएंगे, इस पर यकीन नहीं होता। पुलिस और प्रशासन की लुंजपुंजता तो इस घटना से ही नहीं बल्कि पिछले काफी समय से उजागर होती रही है। नूंह और मेवात का क्षेत्र साइबर अपराध के लिए बदनाम रहा है, कहा तो यह भी जा रहा है कि साइबर अपराध में लिप्त तत्वों ने ही थाने में आगजनी की। यह दंगे की आड़ में जघन्य अपराध था। यह ठीक है कि उपद्रवियों की गिरफ्तारी के बाद अब उनके ठिकानों को खंगाला जा रहा है। भारत आजादी के बाद से ही आतंकवाद, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद आदि से जूझता रहा है, लेकिन अब यह बंद होना चाहिए और इस सम्बंध में यदि कोई राजनैतिक दल या उसका नेता भी लिप्त पाया जाता है तो उसके विरूद्ध ऐसी कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए कि देश की अस्मिता, शांति और विकास को चट कर रही दंगाई दीमक हमेशा के लिए खत्म हो। तेजी से उभरती हमारी अर्थ व्यवस्था के लिए भी ये घटनाएं नुकसानदेह हैं। विधि के शासन को चुनौती देने वाली कोई बात, हरकत और घटना बर्दाश्त नहीं हो सकती। सभ्य समाज के माथे पर ये काला टीका है। संविधान अपने हक के लिए प्रदर्शन करने या बात रखने की सबको इजाजत देता है, पर उपद्रव करके समाज और देश में अशांति फैलाने तथा लोकतंत्र को कमजोर करने का हक किसी को नहीं देता।

हाल के वर्षों में धार्मिक आयोजनों, खासकर शोभायात्राओं पर हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसके पीछे भड़काऊ भाषणों को मुख्य कारण बताया जा रहा है, लेकिन उन्हें रोकने के लिए जिस सख्ती की ज़रूरत है, वैसा कुछ नज़र नहीं आता बल्कि भड़काऊ भाषणों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर उचित ठहराने के प्रयास किए जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि विभाजन की आग में जल रहे समुदायों में भातृत्व भाव का बीजारोपण हो, उनके बीच वैमनस्य और कटुता समाप्त हो। जो इसके लिए तैयार न होकर खून-खराबे को जारी रखने के ही हिमायती हैं, उनके विरूद्ध कठोरतम और कानून सम्मत कार्रवाई की जाए।

सत्ता विरोधी लहर से बचाव की मुद्रा में शिवराज

समर जीतने के लिए मोदी-शाह की हर बूथ तक पहुंच

नंदकिशोर शर्मा

मध्य प्रदेश में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी ने गत दिनों चुनाव के रण का शंख फूंक दिया। इस बैठक में पारस्परिक क्लेश भी सामने आया लेकिन आलाकमान की दखल से इस बात पर सहमति बनी कि पूरे राज्य में बूथ स्तर तक पहुंचने का एक विशाल कार्यक्रम बनाया जाए, ताकि पार्टी 51 फीसदी वोट और बिना किसी मुश्किल के सत्ता पर फिर से काबिज हो सके। संगठन ने दो स्तर पर तेजी से काम शुरू किया है-पहला है प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के साथ मैदान में जाना। जिनकी विश्वसनीयता राज्य के हर तबके में है और दूसरे संगठन की ताकत का भरपूर इस्तेमाल। राज्य भर में कार्यक्रमों का आयोजन आरंभ हो चुका है, ताकि पहली बार के वोटर और युवाओं के साथ- साथ केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का फायदा उठाने वाले लाभार्थियों तक पहुंचा जा सके। जाहिर है संगठन के सहारे ही भाजपा मध्यप्रदेश में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर से बचने की तैयारी में जुट गई है।

एंटी इंकबेंसी के सहारे कांग्रेस

भाजपा ने एक बड़े कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है जिसके तहत न सिर्फ फोकस प्रधानमंत्री मोदी के नाम और काम पर होगा बल्कि राज्य के पहली बार के वोटरों और युवाओं के बीच भी दो महीने जमकर मेहनत की जाएगी। इन सबके पीछे कांग्रेस निर्मित नरेटिव काम कर रहा है जिसमें कांग्रेस के तमाम नेता यही कह रहे हैं कि शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस की जीत पक्की है। शिवराज सिंह के खिलाफ एंटी इंकबेंसी को विपक्षी कांग्रेस अपने लिए एक सुनहरा मौका मान रही है। भाजपा जानती है कि कर्नाटक की तर्ज पर जीत पक्की करने के लिए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और कमलनाथ कभी भी एक साथ दिख सकते हैं।

विधानसभा में दलीय स्थिति

दल	सदस्य
भारतीय जनता पार्टी	126
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	96
निर्दलीय	04
बहुजन समाज पार्टी	02
समाजवादी पार्टी	01
रिक्त	01
कुल	230

प्रबंधन आलाकमान के हाथ

कर्नाटक की हार से भाजपा ने सबक लिया है। केन्द्रीय संगठन उम्मीदवारों के चयन और प्रचार की कमान में राज्य ईकाई को मनमानी नहीं करने देगा। इस बार स्थानीय नेता तो मोर्चे पर रहेंगे ही लेकिन पूरा का पूरा चुनावी मैनेजमेंट केन्द्रीय नेतृत्व के हाथ में रहेगा। इसलिए जरूरत केन्द्र के खांटी चुनाव प्रभारी की है जो संगठन को भी चाक चौबंद रखे और साथ ही स्थानीय हितों और गुटबाजी से भी परे रहे। प्रधानमंत्री के चेहरे के साथ-साथ प्रदेश संगठन को मजबूती से सक्रिय भी रखना होगा ताकि शिवराज सरकार से ऊबी जनता को पुन: भाजपा से जोड़ा जा सके।

पार्टी ने भांपा जनता का मूड

शिवराज सिंह चौहान की मुख्यमंत्री पद पर लम्बी पारी के बाद आलाकमान ने जनता का मूड भांप लिया है। आलाकमान ये सुनिश्चित करने में लगा है कि अंदरूनी गुटबाजी पर जल्दी से जल्दी लगाम लगे। पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी जैसे व्यापक सम्पर्क वाले नेता कांग्रेस में जा चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक नेता और कार्यकर्ता सरकार से इसलिए दूर हो गए हैं क्योंकि राजनीति हो या शासन, सरकारी बाबूओं का ही बोलबाला है। जिससे कार्यकर्ताओं के काम और नाम पर प्रश्न चिह्न लगा है।

मोदी-शाह के दौरे ज्यादा

चुनावों में वक्त बहुत कम बचा है इसलिए गुजरात जैसा प्रयोग संभव नहीं है लेकिन, गुजरात की तर्ज पर हर बूथ को मजबूत बनाने की कोशिशें जारी हैं। राज्य भर में आपसी कलह पर लगाम लगाने के लिए सत्यनारायण जटिया, कैलाश विजयवर्गीय, नरेन्द्र सिंह तोमर को मध्यप्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर गुटबाजी और गुटबाजी के कारणों पर लगाम लगाने का काम सौंपा गया है। प्र.म. मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के ज्यादा से ज्यादा दौरे और कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कर्नाटक के बाद अब भाजपा आलाकमान आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश पर पैनी नजर बनाए हुए है। दिल्ली में भी लगातार बैठकों का दौर जारी है।

JKcement
JK SUPER CEMENT BUILD SAFE
JK SUPER STRONG BUILD SAFE
JK Super Cement
Salutes the Nation
15th
AUGUST
Happy
Independence Day
JK SUPER
JK SUPER CEMENT BUILD SAFE
Weather Shield
JK SUPER STRONG BUILD SAFE
Weather Shield
JK SUPER STRONG
Weather Shield

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

आज़ादी का अन्नपूर्णा महोत्सव

76 वीं

वर्षगांठ के शुभ अवसर पर

'कोई भूखा न सोए'

की संकल्पना को साकार करते हुए

माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान
श्री अशोक गहलोत द्वारा

प्रदेश में

मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना
का शुभारंभ

1 करोड़ से अधिक परिवारों को होगा लाभ।

25000 से अधिक वितरण केंद्र (उचित मूल्य की दुकान)

सहकारिता विभाग, राजस्थान

तीन दशक में दोगुने से ज्यादा होंगे मधुमेह के मरीज़

बेहतर जीवन के लिए उच्चस्तरीय अनुसंधान करने वाले लंदन के एक शोधार्थी समूह 'द लांसेट' की ताजा रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि किसी भी देश में मधुमेह रोग की दर कम नहीं होगी।

डॉ. सुनील शर्मा

एक नया अध्ययन सामने आया है, जिसके अनुसार, दुनियाभर में वर्ष 2050 तक मधुमेह से पीड़ित लोगों की संख्या 1.3 अरब हो जाएगी। 'द लांसेट' की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मधुमेह के वैश्विक बोझ पर अध्ययन नाम से प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया कि अगले तीन दशकों में मधुमेह के मरीज दोगुने से अधिक हो जाएंगे। वर्ष 2021 में यह संख्या 52.9 करोड़ थी।आने वाले 30 साल में किसी भी देश में मधुमेह की दर कम नहीं होगी। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 1990 से 2021 तक 204 देशों से आंकड़े जुटाए। इसमें मधुमेह की व्यापकता, विकलांगता और मृत्यु का अनुमान लगाने के लिए 27 हजार से अधिक आंकड़ों को शामिल किया।

हर गतिविधि पर दिया ध्यान

अध्ययन के दौरान मधुमेह से पीड़ित लोगों की हर गतिविधि को ध्यान में रखा गया। इसमें मोटापा, आहार, शारीरिक गतिविधि, पर्यावरण, तंबाकू और शराब के उपयोग से संबंधित जोखिम कारकों को भी चिह्नित किया। गया। मोटापे की वजह से भी मधुमेह के मरीज बढ़ रहे हैं। इसलिए दुनियाभर में बीमारी और मृत्यु दर भी बढ़ रही है। इसके अलावा, कोविड महामारी के बाद से भी मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

दूसरे नम्बर पर भारत

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के शोध में सामने आया कि भारत में 11 फीसदी यानी 10.1 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। इससे कहीं ज्यादा चिंताजनक ये है कि 13.6 करोड़ लोग प्री–डायबिटीक है। यानी इन्हे भविष्य में डायबिटीज हो सकता है। आईसीएमआर के मुताबिक, दुनिया में डायबिटीज मरीजों की आबादी में भारत दूसरे नंबर पर है। यहां हर छठे व्यक्ति को यह बीमारी है। टाइप–1 डायबिटीज से पीड़ित दुनिया का हर पांचवा बच्चा या किशोर भारतीय है। वहीं युवा कम उम्र में ही टाइप–2 डायबिटीज के मरीज बन रहे हैं।

इन देशों में ज्यादा दिक्कत

शोधकर्ताओं के मुताबिक उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और प्रशांत द्वीप के राष्ट्र इस बीमारी से अधिक प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों में बुजुर्गों में मधुमेह के मामले ज्यादा बढ़ेंगे। यदि वर्तमान रुझान जारी रहा तो 2050 में पांच में से एक व्यक्ति मधुमेह से ग्रसित होगा।

संक्रमण का खतरा ज्यादा

मधुमेह के रोगियों में इम्यून सिस्टम की कोशिकाओं की कार्य क्षमता कम हो जाती है। इससे शरीर में एंटीबॉडीज कम बनती है। बीमारी से लड़ने की ताकत कम होने के कारण ये वायरस, बैक्टीरिया को खत्म नहीं कर पाती नतीजा जान का जोखिम बढ़ता है।

दो प्रकार के मधुमेह

मधुमेह दो प्रकार के होते हैं। जिन्हें टाइप 1 और टाइप 2 में बांटा गया है। दोनों में रक्त शर्करा का उच्च स्तर होता है। टाइप 1 आमतौर पर बचपन के दौरान विकसित होता है। वहीं टाइप 2 वयस्कों में पाया जाता है जो इंसुलिन प्रतिरोध के कारण होता है। इसके लिए मोटापा और तनाव मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

टाइप 2 से ज्यादा ग्रसित होंगे लोग

अगले तीन दशकों में मधुमेह के अधिकांश नए मामले टाइप 2 के होने का अनुमान है। यानी इस प्रकार के रोगियों की संख्या बढ़ेगी। इसके लिए मोटापा को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 में मोटापा टाइप 2 मधुमेह के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम

कारक था, जो बीमारी से आधे से अधिक लोगों में विकलांगता और मृत्यु के लिए जिम्मेदार था।

अंगों पर पड़ता है बुरा असर

'द लांसेट' की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना वायरस शरीर में ग्लूकोज को नियंत्रित करने वाले टिश्यू और अंगों पेंक्रियाज, छोटी आंत, लिवर और किडनी की कार्यक्षमता पर बुरा असर डालता है। ये सीधे पेंक्रियाज में मौजूद इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं को संक्रमित करता है। बीटा कोशिकाओं के डैमेज होने पर मरीजों में इंसुलिन बनने की कैपेसिटी कम हो जाती है।

जामुन से नई दवा तैयार

भारत में मधुमेह के रोगी बढ़ रहे हैं लेकिन राहत भरी एक खबर यह भी है कि मधुमेह की एक ऐसी नई दवा तैयार की गई है जिसे दो-तीन दिन खाने से मधुमेह नियंत्रित हो सकता है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा तैयार तकनीक को दवा कंपनियों को हस्तांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दवा जामुन से तैयार की गई है।

आयुर्वेद में भी जामुन से मधुमेह के उपचार का वर्णन मिलता है। लेकिन इसे आधुनिक चिकित्सा की कसौटी पर परखा कर मधुमेह रोधी कंपाउंड तैयार किया गया है, जो पानी में आसानी से घुलनशील है।

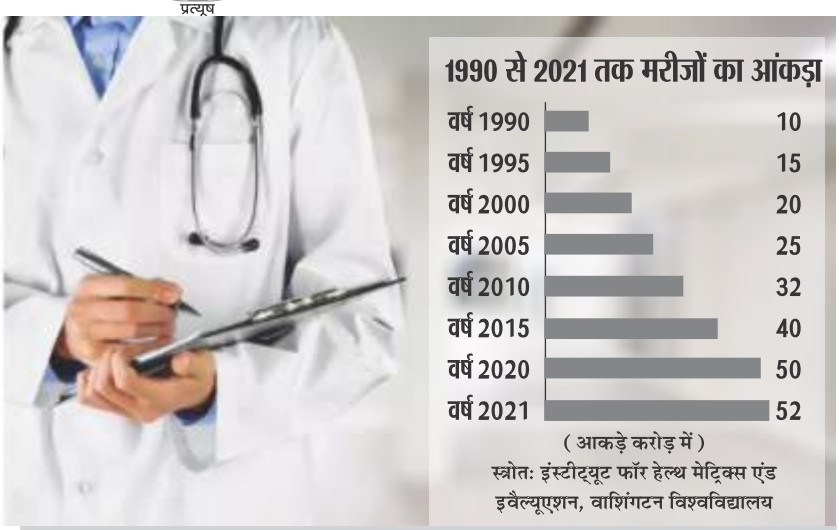

खरगोश पर परीक्षण

*आईसीएमआर के अनुसार खरगोशों पर परीक्षण के दौरान इस कंपाउंड से उनमें ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन (एचबीए1सी) में भी कमी दर्ज की गई है। एचबीए1 सी में कमी आना प्रभावी रूप से यह दर्शाता है कि शुगर नियंत्रित हो रही है। कंपाउंड का कोई दुष्प्रभाव भी नहीं है। **यह हर्बल दवा टाइप-1 एवं टाइप 2** दोनों किस्म के मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद है।*

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
कन्हैयालाल जैन
राकेश जैन (बंटी)
फोन :- 0294-2429053
राजस्थान मेडिकल स्टोर
महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के सामने, उदयपुर

जनजीवन के केन्द्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण

भारतीय लोक जीवन, साहित्य, संस्कृति और कला की सभी विधाओं की पहचान श्रीकृष्ण से ही बनती है। कृष्ण ने जीवन को पूर्णता प्रदान की। हमारे हरेक रूप, गुण, कर्म, ज्ञान, भक्ति और ध्यान के मार्ग पर उनकी अमिट छाप मिलेगी।

मयंक मुरारी

कृष्ण भारतीय जनजीवन के केन्द्र में हैं। सृजन के हरेक बिंदु और रेखा में कृष्ण का ही रूप और आकार है। हमारी क्रिया जीवन और जगत से चलती है और उस क्रिया के मध्य में कृष्ण का ही वास है। कृष्ण की पकड़ में पूरा जीवन है। इस जगत और पर्यावरण पर उसकी ही महिमा है। उनकी मुट्ठी में आकाश है और उनके पांव से पृथ्वी गतिमान होती है। उनके स्वर में जीवन की सांस मिल रही है। उनकी अग्नि से सब तपते हैं और उनकी शीतलता में मस्त होते हैं। वही एक हैं। अनेक में एक और एक में अनेक।

कृष्ण सर्वत्र हैं। चेतना में ही नहीं, जड़ में भी। इतनी व्यापकता और किसी महापुरुष व देव में नहीं मिलेगी। सुखमय जीवन में सुख और दुखमय जीवन में दिशा केवल कृष्ण ही देते हैं। वे हर समय हरेक कर्म में अपनी उपस्थिति का अहसास कराते हैं। दो किनारों पर जैसे नदी सुरक्षित रहती हैं, उसी प्रकार राधा और कृष्ण रूपी किनारों के बीच रहने पर जीव जगत का निरंतर प्रवाह बना रहता है।

लोक और शास्त्रीय जीवन में कृष्ण इस तरह संयुक्त हैं कि एक-दूसरे को पृथक करना कठिन है। कृष्ण कथा में भारतवर्ष का दर्शन होता है। इनका चरित्र भारतीय अस्मिता का आधार है। उनकी राजनीति में धर्म अपने अस्तित्व की खोज करता है। केवल कृष्ण से ही भारतीय लोकजीवन, साहित्य, संस्कृति और कला की सभी विधाओं की पहचान बनती है। कृष्ण ने जीवन को पूर्णता प्रदान की। हमारे हरेक रूप, गुण, कर्म, ज्ञान, भक्ति और ध्यान के मार्ग पर कृष्ण की अमिट छाप मिलेगी। किसी भी मार्ग में जाएं, वह मार्ग कृष्ण का होगा। जीवन की हर दिशा की यात्रा कृष्ण में ही समाहित है। वे राग में हैं, प्रेम में है, भोग में है, कर्म से वही हैं। ज्ञान के आलोक से जब जगत प्रकाशित होता है तो उनकी गीता ही जीव और जीवन के केन्द्र में मिलती है। प्रेम और भक्ति हो, तो राधा मिलेगी, धर्म की बात हो तो, युधिष्ठिर खड़े मिलेंगे। कृष्ण शांति में हैं और युद्ध की केन्द्रीय भूमिका में भी वहीं हैं। ज्ञान में ऊधो और कर्म में अर्जुन। वे सब शिखर पर खड़े हैं। कृष्ण एक हैं, लेकिन अनंत की संभावना अपने अंदर समेटे हैं।

उनका व्यक्तित्व संपूर्ण भारतवर्ष पर छा गया। यह इसलिए हुआ कि कृष्ण न साधक थे, न सत्य की खोज के लिए निकले थे। उन्हें न राज्य की लालसा थी, और न ही सम्मान के प्रति कोई मोह था। जब स्वभाव में आसक्ति हो तो उससे किसी भी चीज से अपने को दूर कर पाना संभव नहीं। लेकिन कृष्ण न तो आसक्त हैं और न ही विरक्त हैं। वे तो वीतराग हैं। राग और विराग से परे। इसी कारण उन्होंने गीता में घोषणा की कि जगत के हरेक जीव और वस्तुओं में श्रेष्ठ रूप से उनका वास है। उन्होंने इस जगत में हरेक चीज, हरेक माध्यम और हरेक कर्म के द्वारा श्रेष्ठता की प्राप्ति का बोध कराया। कृष्ण ने सिखाया कि जीवन में पूर्णता की प्राप्ति के कई मार्ग हैं, पर उस तक जाने के लिए पूर्ण साधना चाहिए। कृष्ण से कोई दूर नहीं रह सकता है। वे स्पर्श करेंगे। वे आमंत्रण देंगे। वे विवश कर देंगे। उस युग में भी कोई कृष्ण से दूर नहीं रह सका और उस युग के बाद भी कोई कृष्ण को दूर नहीं कर सका। मीरा के गीत में, चैतन्य के नृत्य में, सूर के शब्द में, जयदेव के भाव में कृष्ण का ही रंग है। वे मुक्त हैं और समस्त जीव की मुक्ति ही उनका लक्ष्य है।

23 सितम्बर
राधाष्टमी विशेष

जहां राधा, वहीं कृष्ण

सार्थक मिश्र

राधाष्टमी, मां राधा के प्रकट होने का दिन है। भाद्रपद कृष्णा अष्टमी के दिन भगवान कृष्ण पृथ्वी पर अवतरित हुए। राधा जी भी अष्टमी को ही प्रकट हुई, लेकिन वह भाद्रपद माह का शुक्ल पक्ष था। वास्तव में बरसाना के निकट ब्रह्मांचल पर्वत पर स्थित लाड़ली जूं-राधारानी और गोकुल के कृष्ण को अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। कृष्ण को पाना है तो राधे-राधे कहना ही होगा, क्योंकि कृष्ण ही राधा हैं और राधा ही कृष्ण। सच यह भी है कि राधा के बिना कृष्ण, कृष्ण न होते। ऐसा माना जाता है कि कृष्ण का व्रत तभी पूरा फल प्रदान करता है, जब राधा अष्टमी का व्रत कर राधा जी का भी आशीर्वाद मिल जाए। रूक्मिणी कृष्ण की विवाहिता हैं, लेकिन आम भारतीय तो जहां कृष्ण को देखता है, वहां वह राधा को ही पाता है। पद्मपुराण के अनुसार राधा राजा वृषभानु की पुत्री हैं। जब राजा यज्ञ के लिए पृथ्वी साफ कर रहे थे, तब पृथ्वी कन्या के रूप में राधा प्रकट हुई। राजा ने पुत्री मान कर उन्हें पाला-पोसा। आदिशक्ति के दो रूप हैं। उनका बायां अर्द्धभाग लक्ष्मी तथा दायां भाग श्रीराधा है। यही नहीं ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार-'द्विभुजे राधिका ज्ञेया लक्ष्मी: स्यात्सा

चतुर्भुजे। सर्वांषने समौ बोध्यौ कृष्णानारायणों परौ।।' अर्थात दो भुजाधारी के रूप में श्रीराधा भगवान श्रीकृष्ण के साथ और चतुर्भुज रूप में श्री लक्ष्मी विष्णु के साथ हैं। भगवान विष्णु के कृष्ण अवतार के समय लक्ष्मी, राधा के रूप में पृथ्वी पर आईं थीं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार राधाजी, श्रीकृष्ण की सखी हैं। जैसे बिना शक्ति के शिव शव हैं, उसी तरह कृष्ण राधा के बिना शक्तिहीन हैं। राधा जी की भक्ति को पाना है तो राधाष्टमी के दिन निष्कपट भाव से व्रत करना चाहिए। राधा की मूर्ति को पंचामृत से स्नान करा कर उनका पूर्ण श्रृंगार करें। मध्याह्न में पूजा होनी चाहिए इनकी। धूप-दीप आदि से आरती करने के बाद अंत में दूध, दही, पंचमेवा फल आदि से भोग लगाना जरूरी है। पंचामृत से अभिषेक भी किया जाता है। बहुत से लोग राधा-श्रीकृष्ण युगल की पूजा करते हैं। वृन्दावन स्थित राधा वल्लभ मंदिर में तो इस दिन भारी भीड़ होती है। राधा जी का व्रत करने वाले सभी प्रकार के पापों से मुक्त हो जाते हैं। श्रीमद्देवीभागवत के अनुसार राधा की पूजा न की जाए तो भक्त श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार भी नहीं रखता।

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालय– केशव माधव सभागार, एनसीएम सिटी, चित्तौड़गढ़, 8003590333

- Mobile Banking, IMPS & UPI
- Physical to Digital Banking
- Debit Card
- Educational Loan, House Loan, Vehicle Loan, All Business Loan

डॉ. (सीए) आई.एम. सेठिया
अध्यक्ष

शिवनारायण मानधना
उपाध्यक्ष

वन्दना वजीरानी
प्रबंधन निदेशक

उपर्युक्त सुविधाओं के साथ त्वरित समस्त बैंकिंग सुविधा

मियादी जमाओं पर अधिकतम ब्याज दरें, ऋणों पर न्यूनतम ब्याज दर के साथ सरलतम प्रक्रिया। एक बार सेवा का मौका अवश्य दें, इन सुविधाओं की जानकारी के लिए अपनी निकटतम शाखा में सम्पर्क करें।

संचालक मण्डल के सदस्य– रणजीतसिंह नाहर, राधेश्याम आमेरिया, बालकिशन धूत, वृद्धिचंद कोठारी, राजेश काबरा, सीए दिप्ती सेठिया, कल्याणी दीक्षित, बाबरमल मीणा, हरिशचन्द्र आहूजा, हेमंतकुमार शर्मा, सीए नीतेश सेठिया एवं समस्त अरबन बैंक परिवार।
प्रबंधन मण्डल– सीए दिनेश कुमार सिसोदिया (प्रबंधन मण्डल अध्यक्ष एवं निदेशक) आदित्येन्द्र सेठिया, शांतिलाल पुंगलिया, नरेन्द्र चोरडिया एवं अंकिता जैन (सदस्य)

शाखाएं- चित्तौड़गढ़, चंदेरिया, बेगूं, निम्बाहेड़ा, कपासन, बड़ीसादड़ी

जब गांवों ने सीखा था मिलजुल रहना

उन दिनों आंध्र के उस हिस्से (अब तेलंगाना) में यही हुआ था। लगभग हर दूसरी गली में घृणा डोल रही थी। छीन लेने के कुसंस्कार हावी थे, कहीं सम्पत्ति तो कहीं जान पर आफत आन पड़ी थी। आखिर लोगों को क्या हो गया है? क्या सत्य, प्रेम, अहिंसा लोग भूल चुके हैं?

हमारा शरीर स्वयं ही प्रेम और लगाव की अद्भुत मिसाल है। अंगों में परस्पर अनुपम प्रेम होता है। सब अंग एक दूजे की सेवा में लगे होते हैं, ताकि शरीर सुखी रहे। सोते हुए में भी एक अंग को दूसरे की फिक्र होती है। शरीर पर कहीं भी मच्छर बैठ जाए, तो तत्काल हाथ उठ जाता है। काश! समाज भी शरीर-सा हो। जाए, जिसमें सभी को सभी की फिक्र हो, लेकिन ऐसा होता नहीं है, इसलिए दुख-दर्द की अवस्था कहीं न कहीं बची-बनी रहती है। जब प्रेम का अभाव होता है, तब दुख अक्सर घृणा में बदल जाता है और घृणा ही हिंसा पर उतारू हो जाती है।

उन दिनों आंध्र के उस हिस्से (अब तेलंगाना) में यही हुआ था। लगभग हर दूसरी गली में घृणा डोल रही थी। छीन लेने के कुसंस्कार हावी थे, कहीं संपत्ति तो कहीं जान पर आफत आन पड़ी थी। आखिर लोगों को क्या हो गया है? क्या सत्य, प्रेम, अहिंसा लोग भूल चुके हैं ? गांधी जी को दुनिया से गए तीन वर्ष ही तो बीते हैं, लेकिन सरकार से लोगों का विश्वास उठ चुका है, तभी तो ऐसी घृणा और हिंसा हावी है, जिसका कोई अंत नजर नहीं आता है। लोगों के साथ फिर संवाद की जरूरत है, संवाद सेतु की जरूरत है, तो फिर सड़क पर उतरना होगा। पैदल चलकर उन तक पहुंचना होगा। लाख कोई मोटर से परिक्रमा कर ले, लेकिन पदयात्रा का कोई मुकाबला नहीं है। मोटर भले मंजिल पर जल्दी पहुंचती हो, पर पदयात्रा का दिलों तक पहुंचना लगभग तय होता है। लोग इंतजार करते हैं कि उनकी ओर कोई पैदल चला आ रहा है। आजादी की लड़ाई के साथ पदयात्राएं जुड़ी थीं, तो क्या अब हम पदयात्राओं को त्यागकर लोगों से दूर हो जाएंगे ?

यह विचार आते ही संत आचार्य विनोबा भावे नागपुर के पास स्थित गांव पवनार के अपने आश्रम से पैदल ही तेलंगाना के लिए निकल चले। मंजिल करीब पांच सौ किलोमीटर दूर थी। शिवरामपल्ली गांव से होते हुए पोचमपल्ली गांव पहुंचे। वहीं डेरा डाल दिया कि आखिर समस्या क्या और कहां है? गांधी के देश का वह इलाका उग्र वामपंथ से सुलग रहा था। आम लोग पुलिस से ही नहीं, उग्र वामपंथियों से भी भयाक्रांत थे। 700 परिवारों वाले गांव पोचमपल्ली में दो तिहाई लोग बहुत गरीब थे, उन तक पहुंचना जरूरी था। वह चितपावन ब्राह्मण संत समाजसेवी एक सुबह हरिजन बस्ती पहुंच गए। दोपहर तक उनके पास भीड़ जुट गई। सवाल यही था कि आप लोग बताइए, मूल समस्या क्या है ? कुछ गरीबों ने हिम्मत जुटाकर बताया कि साहब, हमारे पास थोड़ी भी जमीन नहीं है। गांव के चालीस भूमिहीन परिवारों को अस्सी एकड़ जमीन मिल जाए, तो बड़ी अनुकंपा हो जाएगी।

गांधी जी के उस पटशिष्य को याद आया, बापू अक्सर बोलते थे कि जहां समस्या है, वहीं समाधान खोजो और अपने विकास के लिए केवल सरकार के भरोसे मत रहो। फिर क्या था, संत विनोबा ने वहीं पूछ लिया, 'सरकार से जमीन मिलना संभव नहीं है, तो क्या ऐसा कुछ नहीं है, जो ग्रामीण खुद कर सकते हैं?'

सन्नाटा पसर गया, सब अपने-अपने ढंग से सोचने पर मजबूर हो गए। अक्षम लोगों के चेहरे पर चिंता पसर गई, अगर स्थानीय स्तर पर ही हल निकल आता, तो बात यहां तक क्यों बढ़ती ? वहां कुछ सक्षम लोग थे, उनमें बेचैनी हुई। समाजसेवी संत चुपचाप सबके चेहरे देख रहे थे, मानो सवाल के जवाब के लिए हठ कर रहे हों। संत की उम्मीद भरी नजरों से पैदा दबाव ने कमाल किया। भीड़ में से एक जमींदार रामचंद्र रेड्डी खड़े हुए और कहा, 'समाधान के लिए अस्सी एकड़ जमीन चाहिए और मैं सौ एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हूं।'

लोगों को विश्वास नहीं हुआ, उन्हें लगा कि यह सैकड़ों एकड़ वाला जमींदार जोश में होश खो बैठा है, लेकिन जब . जमींदार ने शाम की सभा में सबके सामने अपने वायदे को दोहरा दिया, तब लोग एक-दूजे को देखकर भावुक हो गए। उस संत समाजसेवी विनोबा भावे के समक्ष सभी नतमस्तक हो गए।

11 सितंबर, 1895 को जन्मे विनोबा भावे के लिए भी वह निर्णायक क्षण था। वाकई गांव के पास अपनी हर समस्या का इलाज है। ऐसे भूदान होने लगे, तो किसी गांव में कोई भूमिहीन न बचे, कोई गरीब न रहे। पोचमपल्ली के सफल प्रयोग से उत्साहित विनोबा भावे ने देश में भूदान आंदोलन चलाने का संकल्प ले लिया। पदयात्रा करते हुए वह जिस गांव में भी डेरा डालते थे, लोग स्वेच्छा से भूदान को दौड़े चले आते थे। कहीं ग्राम दान, कहीं कनक दान, कहीं श्रम दान, देश बनने-सुधरने लगा। 12 लाख एकड़ से ज्यादा भूमि का सफलतम दान उन्होंने लोगों से लिया और लोगों को दिया। समाज में प्रेम, शांति और अहिंसा को नया बल मिला। भूमि लेने-देने का ऐसा विशाल पूर्णत: प्रेममय आंदोलन आज पूरी दुनिया के लिए मिसाल है।

प्रस्तुति: ज्ञानेश उपाध्याय

(विनोबा जयंती 11 सितम्बर पर विशेष)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Retail Revolution)

शुद्धता | विश्वसनीयता | गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में उत्तरी भारत का
सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है

सुपरमार्केट की नियमित स्कीम

1 किलो शक्कर आधी कीमत पर **Rs. 1500** की खरीद पर

या

1 किलो शक्कर मुफ्त **Rs. 2500** की खरीद पर

या

1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त **Rs. 3500** की खरीद पर

या 1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त **Rs. 5000** की खरीद पर

समस्त उत्पाद (M.R.P.) से कम दरों पर, 5 प्रतिशत की छूट

समस्त नहाने के साबुन/कपड़े धोने के साबुन /समस्त डिसवॉश बार/बिस्किट पर

510

रु. जमा करा कर भण्डार के सदस्य बनकर 1 प्रतिशत छूट एवं अनेक स्कीम का लाभ उठाएं

101

रु. का सामान प्रतिमाह जीवनभर मुफ्त

(10 हजार जमा योजना अंतर्गत भण्डार में 10 हजार से 80 हजार तक जमा कराते हुए 101 से 808 रू. तक का सामान प्रतिमाह मुफ्त पाएं)

www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाईन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रू. करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रू. जमा है वे 400 रू. और जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें। (शर्तें लागू)

अश्विनी कुमार वशिष्ठ
प्रशासक

आशुतोष भट्ट
महाप्रबंधक

बड़ों से ज्यादा बच्चों को आई फ्लू का खतरा

भारी बारिश और बाढ़ के कारण संक्रमण से आई फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बड़ों से ज्यादा बच्चों में संक्रमण का खतरा ज्यादा है। कई स्कूलों ने इसके प्रसार से निपटने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पूर्वोत्तर में इस संक्रामक रोग के तेजी से फैलने का कारण भारी बारिश के बाद बाढ़ और जलभराव को माना जा रहा है।

आई फ्लू कई तरह का होता है। यह बैक्टीरिया, वायरस या एलर्जी के कारण हो सकता है। आजकल जिस संक्रमण के मामले सामने आ रहे है, वह तेजी से फैलता है। इसके लक्षण लालिमा, खुजली, आंखों में चिपचिपापन और सूजी हुई पलकें हैं। बैक्टीरियल संक्रमण होने पर आंखों से पीले या हरे रंग का गाढ़ा स्त्राव होता है। हालांकि वायरल संक्रमण के मामले में दवा या आईड्रॉप से तुरंत राहत नहीं मिलती है, लेकिन लक्षण कम होने में एक से दो सप्ताह लग जाते हैं।

'काला चश्मा' पहनें

आई फ्लू के मामलों में बॉलीवुड के एक मशहूर गीत वाली सलाह दी गई है कहा गया है कि आईफ्लू के प्रसार को रोकने के लिए काला चश्मा पहनें और जल्द स्वस्थ हो जाएं।

''बच्चों में आई फ्लू होने की आशंका अधिक होती है, क्योंकि वे वयस्कों की तुलना में शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होते हैं और स्कूल या पार्क में समूहों में रहते हैं। माता–पिता और अभिभावकों को सतर्कता बरतने की जरूरत है।''

– डॉ. ए.एस.ऋषि

ये सावधानी बरतें

1. हाथ की स्वच्छता– छोटे बच्चों को अपने हाथ साफ रखने चाहिए और माता–पिता को रोगाणुओं के प्रसार को रोकने के लिए नियमित रूप से हाथ धोने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

2. टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करें– वायुजनित वायरस के संपर्क को कम करने के लिए छींकते या खांसते समय टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करें और एक बार इस्तेमाल के बाद कूड़ेदान में फेंक दें।

3. सामान साफ रखें– चश्मे,कॉन्टैक्ट लेंस और आंखों के संपर्क में आने वाली किसी भी वस्तु को नियमित रूप से साफ करें।

4. आंखों को छूने से बचें– बच्चे अक्सर वयस्कों की तुलना में अपनी आंखों को अधिक बार रगड़ते या छूते हैं। इसलिए बच्चों को बताएं कि वे बार–बार आंखों को न छुएं।

5. दूरी बनाए रखें–यदि किसी में आई फ्लू के लक्षण नजर आ रहे हैं तो उससे दूरी बनाएं और उन्हें भी दूसरों से दूर रहने की अपील करें, ताकि संक्रमण का प्रसार न हो।

6. चिकित्सकीय सहायता लें– यदि आपके बच्चे में आई फ्लू के कोई लक्षण दिखाई देते हैं तो तत्काल डॉक्टर की सलाह लें।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
महके और महकाएं
CAI
CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES UDAIPUR
गुलाब
चंदन
KANCHAN
Premium Incense Sticks
महके और महकाए...
राजेश चित्तौड़ा
9414160914
चंदन
गुलाब
Mogra
CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES
Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.
1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

शिक्षा के बाजारीकरण पर लगे विराम

डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था- 'यदि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी तो लोकतंत्र के सभी प्रयोग विफल होंगे।'

विष्णु शर्मा हितैषी

भारत में गुरू-शिष्य परम्परा सदियों पुरानी है। भगवान श्रीराम के गुरू वशिष्ट-विश्वामित्र,श्रीकृष्ण के गुरू महर्षि सांदीपन से लेकर गुरू द्रोणाचार्य और रामकृष्ण परमहंस की इस समृद्ध परम्परा में हमें शिक्षक की महत्ता का बोध होता है। गुरू द्रोणाचार्य के बिना अर्जुन को धनुष विद्या का वह ज्ञान न हो पाता जिसने महाभारत धर्मयुद्ध का रूख ही मोड़ दिया था। रामकृष्ण परमहंस न होते तो भारतीय संस्कृति का वैश्विक महानाद करने वाले विवेकानंद को सही दिशा कौन देता?

भारत में गुरू-शिष्य परम्परा को जीवंत रखने और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर उन्हें नमन करने का अवसर है, 5 सितम्बर। आज से 62 वर्ष पूर्व 1962 में दार्शनिक चिंतक, प्रबुद्ध शिक्षक एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति व दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के आदर्श जीवन के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए शिक्षक दिवस की संकल्पना की गई और उनके जन्म दिवस (5 सितम्बर) को शिक्षक दिवस घोषित किया गया।

डॉ. राधाकृष्णन शिक्षक को समाज में सम्मान और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के हिमायती रहे। उनकी संत, दार्शनिक, चिंतक, राजनेता जैसी छवियां भारतीय जनमानस में अंकित हैं, पर एक शिक्षक के रूप में उनकी छवि सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उनके विभिन्न व्याख्यानों का सारतत्व भी यही है कि- 'यदि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी गई, तो लोकतंत्र की सार्थकता के सभी प्रयोग असफल होगें।' उनकी किसी भी राजनैतिक दल में कभी भी सक्रियता नहीं रही। वे भारत, भारतीयता, संस्कृति व परम्परा के पूर्ण पुरूष और आजीवन शिक्षक बन कर रहे। उनकी मान्यता थी कि चरित्र ही मनुष्य का भाग्य और भविष्य है और वे उसके प्रतीक पुरूष थे। तमिलनाडु के तिरूतनी ग्राम में 5 सितम्बर 1888 को उनका जन्म एक गरीब किन्तु विद्वान ब्राम्हण सर्वपल्ली विरास्वामी के घर हुआ। बड़ा परिवार था, कई तरह की समस्याएं थीं। वे बचपन से ही मेधावी थे। वर्ष 1902 में उन्होंने मेट्रिक की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की जिसके लिए उन्हें छात्रवृत्ति मिली। कला संकाय में स्नातक के बाद दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की और जल्दी ही मद्रास प्रेसिडेंसी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के सहायक प्रोफेसर नियुक्त हुए। महामना पं. मदन मोहन मालवीय के आग्रह पर डॉ. राधाकृष्णन ने 1939 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद का दायित्व संभाला और 1948 तक इस पद पर रहकर उन्होंने विश्वविद्यालय की गरिमा और ख्याति को नए आयाम दिए। इस दौरान भारत की स्वाधीनता का आन्दोलन चरम पर था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय को उस समय आंदोलन की नर्सरी भी कहा गया । जिसे डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी मेधा से सींचा था। वे 1947 से 1949 तक भारत संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे। इसी दौरान वे भारत के विश्वविद्यालयों को मार्गदर्शन देने वाले आयोग के चेयरमैन भी बने। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उन्हें सोवियत संघ में भारत का विशिष्ट राजदूत नियुक्त किया गया। इस पर पद 1952 तक रहने के बाद वे उपराष्ट्रपति निर्वाचित किए गए।

प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का कार्यकाल पूरा होने पर 1962 में उन्हें देश के सर्वोच्च संवैधानिक मुखिया के रूप में राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया। उनका निधन 17 अप्रेल 1975 को हुआ।

डॉ. राधाकृष्णन के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेते हुए शिक्षकों को एक 'ज्ञानदीप' के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें देश के चंहमुखी विकास के लिए तैयार करना है। आज के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय जानकारी बेचने की दुकान बनने की बजाय बौद्धिक मार्गदर्शन के देवालय बनें। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े और आकर्षक भवन और साधन सामग्री उतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितने शिक्षक। इस दृष्टि से हमें प्राचीन गुरूकुलों के योगदान को नहीं भूलना चाहिए। शिक्षकों को 'गुरूर्ब्रह्मा, गुरूदेवो महेश्वरः/ गुरू साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरूवे नमः' श्लोक को चरितार्थ करना चाहिए। शिक्षा के बाजारीकरण को रोकने की पहल आज न केवल भारत बल्कि तीसरी दुनिया के लिए बहुत मायने रखती है। यदि इस दिशा में शीघ्र ही कदम नहीं उठाया गया तो गरीब परिवारों को शिक्षा से वंचित रहना पड़ेगा और इस तरह उनकी अर्थतंत्र में भागीदारी भी स्वतः खत्म हो जाएगी। सामाजिक न्याय केवल एक राजनैतिक नारा बनकर रह जाएगा। जबकि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य ही सामाजिक परिवर्तन है।

विद्यालय तो गली-गली में हैं, पर बात तो परिणाम एवं संस्कारों की है।

NOBLE INTERNATIONAL SCHOOL

An English Medium School

2, Sagar Darshan, Rani Road, Udaipur (Raj.)

Contact : 0294-2980170, 94135-31043

मान्यवर अभिभावक जी, 'सादर वन्दे' मानव संतति भगवान की एक सबसे सुन्दर कृति एवं एक अमूल्य निधि है। इसका पालन-पोषण, रक्षा एवं सुशिक्षा मनुष्य का परम पावन कर्त्तव्य होता है। आपके ऐसे शिशु जो चलने फिरने योग्य हो गये हैं जो 3 से 4 वर्ष के होने जा रहे हैं या विद्यालय तो जा रहे हैं पर जिनके शैक्षिक स्तर से आप संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें नोबल इन्टरनेशनल स्कूल अपने वात्सल्यमयी वातावरण में सादर आमंत्रित करता है।

ADMISSION OPEN FOR PLAY GROUP TO XII FOR 2023-24

Sailent Features : ● No pressure of home work, complete work is done in school ● No Burden of heavy school bag. ● After and before the school child will be free from home work and home tution ● The school takes responsibility even up to his/her home for etiquettes and behavior ● Complete English Medium School English speaking is compulsory for stduents & teachers from class II on words ● Teacher students ratio is as ● Nur.- 1:12, K.G.-1:24, Prep to VII- 1:30 ● Free computer education ● Daily different competitions & Co-curricular activities.

कक्षा 10 एवं 12 का सतत् शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण परीक्षा परिणाम

Study through stress relief and playway method.
Small class size of 25 students only for better individual attention.
Class 6th onwards separate spoken English and personality development classes.
State Level representation in Games and Sports

उदयपुर के अन्य विद्यालयों में 3 से 5 वर्ष तक के शिशु को कक्षा नर्सरी से **K.G.** में जितना दो सत्रों में सिखाया जाता है, उतना नोबल स्कूल में एक सत्र में ही सिखाया जाता है।

Administrator

गहलोत की जनकल्याणी योजनाओं ने उड़ाई भाजपा की नींद, बसपा का प्लान-60

घोषणा पत्र के लिए स्थानीय मुद्दों की तलाश

अमित शर्मा

भारतीय जनता पार्टी पिछले 10 साल से देश के बड़े मुद्दों पर लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ती आई है। इसका नतीजा यह रहा कि देश की जनता ने भाजपा का भरपूर साथ दिया। पिछले छह महीने में हुए राज्यों के चुनावों में भाजपा के राष्ट्रीय मुद्दे विधानसभा चुनावों में कारगर साबित नहीं हुए। दिसम्बर 2022 में भाजपा को हिमाचल प्रदेश की सत्ता गंवानी पड़ी। पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनी। इसी वर्ष मई में कर्नाटक में भी भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इन तीन राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद विधानसभा चुनावों में भाजपा अपनी चुनावी रणनीति बदल रही है। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत के लिए भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों के साथ स्थानीय मुद्दों को भी चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करने जा रही है

घोषणा पत्र में स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता

हाल ही में नागौर जिले में भाजपा कार्यसमिति की बैठक हुई। जिसमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं को अलग-अलग टास्क दिए। हैं। इसके बाद भी प्रदेश, जिला व ब्लॉक स्तर पर बैठकों का दौर जारी है और हर जिले में उन लोकल मुद्दों की तलाश की जा रही है जिनके आधार पर चुनाव जीता जा सके। सभी 33 जिलों से ऐसे मामलों को चिह्नित किया जा रहा है, जो भाजपा के चुनावी घोषण पत्र में शामिल किए जा सकें। सूत्रों के मुताबिक इस बार भाजपा अलग-अलग जिलों के लिए अलग-अलग घोषणा पत्र भी जारी कर सकती है। हालांकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा और मंत्रिमंडल के सदस्य भाजपा के हर आरोप का मजबूती से जवाब दे रहे हैं।

भ्रष्टाचार और अपराध पर कांग्रेस को घेरने की तैयारी

आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे अपराध को चुनावी मुद्दा बनाकर कांग्रेस को घेरने का प्रयास करेंगी। हालांकि राज्य कसरार का एंटी करप्शन ब्यूरो भ्रष्टाचार के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहा है, लेकिन भाजपा इन्हीं मामलों को लेकर जनता के बीच जाने को फायदे का सौदा मान रही है। लोगों को यह बताया जाएगा कि सरकार के हर विभाग में बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार हो रहा है। कमिशन के बिना सरकारी फाइलें आगे नहीं बढ़ रही हैं। अफसर कर्मचारी लाखों रुपए की रिश्वत ले रहे हैं और इसका

रास आई योजनाएं

भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर हमेशा कांग्रेस को घेरने का प्रयास करती रही है। परिवारवाद का मुद्दा भी कारगर रहा, लेकिन राजस्थान में जनता अशोक गहलोत सरकार की जन कल्याण योजनाओं के प्रति ज्यादा आकर्षित हो रही है। राज्य में नए 19 जिलों का गठन, ओल्ड पेंशन स्कीम, चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत 25 लाख रुपए तक का फ्री इलाज, घरेलू उपभोक्ता को 100 यूनिट मुफ्त बिजली, मुफ्त फूड पैकेट, महिलाओं को स्मार्ट फोन, न्यूनतम पेंशन 1000 रुपए आदि कई सुविधाएं प्रदेश की जनता को मुहैया कराई हैं। ऐसी ही योजनाओं के बूते कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में जीत हासिल की। कर्नाटक में भी ऐसी योजनाओं का जादू मतदाताओं पर हावी रहा। देश के कई राज्यों ने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणाएं कर दी। इन्हीं को देखते हुए अब भाजपा भी राष्ट्रीय मुद्दों के साथ लोकल मुद्दों को अपने एजेंडे में शामिल करने जा रही है।

बड़ा हिस्सा सत्ता में बैठे नेताओं तक पहुंच रहा है। राजस्थान में पेपर लीक की घटनाओं को भाजपा बड़ा मुद्दा बना रही है। चूंकि आरपीएससी के सदस्य द्वारा पेपर बेचे जाने का मामला सामने आ चुका हैं। ऐसे में भाजपा के लिए सरकार को घेरना आसान मान रही है। प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे अपराधों को भी भाजपा सरकार के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगी।

आतंकियों की रिहाई भी मुद्दा

जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपियों को पिछले दिनों राजस्थान हाईकोर्ट ने बरी कर दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस मामले में जयपुर की निचली अदालत ने दिसम्बर 2019 में आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई थी, लेकिन मार्च 2023 में हाईकोर्ट ने बम ब्लास्ट के आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया। इसके बाद भाजपा ने प्रदेश कांग्रेस सरकार पर कमजोर पैरवी का आरोप लगाते हुए तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा यह मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को घेरने में मुख्य हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगी। उधर गहलोत सरकार से बर्खास्त मंत्री राजेन्द्रसिंह गुढा की लाल डायरी भी भाजपा के प्रचार का मुख्य मुद्दा बनती नजर आ रही है। बहरहाल कांग्रेस राजस्थान में भाजपा को कड़ी टक्कर देगी।

बसपा का प्लान - 60

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान में विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बसपा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की तैयारी में लगी है। इतना ही नहीं, वह इस बार कुछ छोटे दलों के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव में उतर सकती है। राजस्थान प्रदेश बसपा के अध्यक्ष भगवानसिंह बाबा ने कहा कि पिछली बार हमारी पार्टी से छह लोग जीतकर दूसरी पार्टी (कांग्रेस) में चले गए थे। हालांकि इस बार ऐसी तैयारी की जा रही है कि अधिक सीटों पर जीत दर्ज की जाए, ताकि जीतने वाले दूसरी पार्टी में न जाएं और बसपा राज्य में मुख्य पार्टी रहे। इसलिए इस बार राजस्थान की 60 विधानसभा सीटों पर पार्टी का पूरा फोकस है।

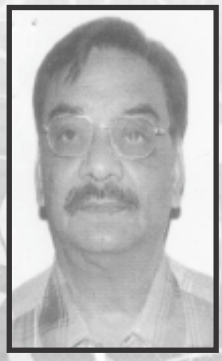

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Nalwaya Mineral Industries Pvt. Ltd.

:: Head Office ::

Plot No. C-164, Road No 3, Madri Industrial Area,
Near G.N. Dal Mill, Udaipur (Raj.)

:: Residence ::

33, Pologround, Udaipur-313 001 (Raj.) Ph. : 91-294-2560628, 2521387

गणाध्यक्ष - गजानन

पं. भानुप्रताप नारायण मिश्र

प्रथम पूज्य गणेशजी को मोदक बहुत प्रिय हैं। उनके चित्रों में मोदक उनके बाएं हाथ में सजी थाली में काफी मात्रा में होते हैं। बहुत से लोग सोचते होंगे कि आखिर गणेशजी को मोदक इतने प्रिय क्यों हैं? एक बार देवतागण शिव परिवार यानी शिवजी, माता पार्वती, गणेश और कार्तिकेय के दर्शन करने कैलाश पहुंचे। दर्शन करने के बाद उन्होंने बड़ी श्रद्धा से सुधासिंचित एक दिव्य मोदक माता पार्वत को भेंट किया। दोनों पुत्र उसे मांगे लगे। तब पार्वती बोली-बेटा पहले इस मोदक के गुण सुन लो। इसकी गंध से ही अमरत्व मिलता हे। इसे सूंघने या खाने वाला सभी शास्त्रों में मर्मज्ञ, सब तंत्रों में प्रवीण, लेखक, चित्रकार, विद्वान, ज्ञान-विज्ञान विशारद और सर्वज्ञ हो जाता है। तुम्हारे पिता और मेरी यह इच्छा है कि यह मोदक तुम दोनों में से उसे दिया जाए जो धर्माचरण द्वारा अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर देगा।

तब कार्तिकेय तो मुहूर्त भर में अपने मोर के सहारे सभी तीर्थों में स्नान कर आए, लेकिन गणेशजी ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ अपने माता-पिता की परिक्रमा की ओर हाथ जोड़ कर उनके समक्ष खड़े हो गए। कुछ समय बाद भाई कार्तिकेय, जो मंगल ग्रह के स्वामी और देवताओं के सेनापति हैं, ने कहा-मोदक मुझे दीजिए।

तब माता पार्वती ने कहा बेटा कार्तिकेय, सभी तीर्थों में किया हुआ स्नान, समस्त देवताओं को किया हुआ नमस्कार, सब यज्ञों का अनुष्ठान, समस्त व्रत, मंत्र योग और संयम का पालन यह सभी साधन माता-पिता के पूजन के सोलहवें अंश के बराबर भी नहीं हैं। गणेश सैकड़ों पुत्रों और सैकड़ों गणों से भी बढ़कर है, इसलिए देवनिर्मित अमृतमय मोदक में इसी को प्रदान करूंगी। माता-पिता की भक्ति के कारण गणेश यज्ञादि में सर्वत्र अग्रपूज्य होगा। तब शिवजी बोले पुत्र गणेश की अग्रपूजा से ही समस्त देवगण प्रसन्न हों। साथ ही उन्हें गणों का अध्यक्ष भी बना दिया। इस तरह गणेश जी मोदकप्रेमी बने। इन्हें मोदक चढ़ाने चाहिए। घर में बने मोदक, लड्डू उन्हें ज्यादा आनंद देते हैं। इसमें आपकी श्रद्धा और प्रेम जो मिला होता है। मूंग की दाल के बने लड्डे इन्हें बहुत प्रिय हैं तो माघ में तिल के लड्डू गणेशजी को बहुत पसंद हैं।

चौपाल

दिल्ली के गले में घंटी

आखिर दिल्ली के गले में घंटी बांधने में सफल हो गए माननीय गृह मंत्री जी। साम, दाम, दण्ड, भेद के असफल हो जाने पर यह पाँचवा उपाय किया गया है, राजधानी दिल्ली की सरकार को काबू करने का। संसद में पारित कानून से राज्य सरकार के हाथ बांधने का यह पहला मामला नहीं है। मगर अब आएगा मजा खेल का। आप डाल-डाल तो अफसर पात-पात। इसमें कोई शक नहीं कि नौकरशाही में भाजपा समर्थकों की कमी नहीं है, चाहे कोई राज्य हो। और अब तो लेटरल एंट्री की व्यवस्था भी हो गई है, नौकरशाही में भी और विश्वविद्यालय में भी। न आईएएस परीक्षा उत्तीर्ण करने की जरूरत न नेट, पीएच डी। कुलपतियों की प्रतिबद्धता की तारीफ तो सभी करते हैं। हाथ कंगन को आरसी क्या और पढ़े-लिखे को फारसी क्या? हाँ तो पढ़े लिखे मुख्यमंत्री को कम पढ़े लखे मंत्री कैसे बस में करते हैं, इसकी पुस्तक का भारतीय जनता पार्टी को कॉपी राइट मिल सकता है। फिर चाहे मामला कमलनाथ का हो या फिर सिद्धारमैया का। अब जमुना खतरे के निशान से ऊपर ही बहेगी केजरीवाल जी के लिए पहले ही उनके दो कद्दावर नेता जेल में हैं। इनकी सेहत भी ठीक नहीं है। अब अफसरों की प्रतिबद्धता किसके प्रति होगी यह बताने की जरूरत नहीं है। दिल्ली में दिल्ली का रण नहीं तो फिर देश में बिल्ली का राज क्यों? राहुल जी की सदस्यता बहाल हो गई है। दिल्ली सरकार की स्वायत्तता और जम्मू कश्मीर राज्य की पुरानी व्यवस्था बहाल हो यह आगामी लोकसभा चुनाव का एजेण्डा होना चाहिए।

- डॉ. हमेन्द्र चंडालिया

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

स्वाधीनता दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

SELECTED Superbrand INDIA 2009-10 CONSUMER VALIDATED

हिंदी सिनेमा के फलक पर उभरते दक्षिण के सितारे

एक समय था जब देश का सिनेमा अलग-अलग भाषाओं में बंटा हुआ था। जैसे हिंदी, भोजपुरी और दक्षिण फिल्म उद्योग। बालीवुड कलाकारों का तो अपना एक अलग ही अंदाज है। वैसे ही दक्षिण में प्रभास, अल्लू अर्जुन, महेश बाबू आदि कलाकारों के प्रशंसकों की भी बड़ी संख्या है। लेकिन ये सारे बेहतरीन कलाकार अपने क्षेत्र तक ही सीमित थे। कोई भी कलाकार अपनी मातृ भाषा छोड़कर दूसरी भाषा में काम करने को तैयार नहीं था। पर अब ये दायरा खत्म हो रहा है। अब कोई भी कलाकार दूसरी भाषा की फिल्मों में काम करने से कतरा नहीं रहा। बल्कि गर्व महसूस कर रहा है। हालांकि दक्षिण के कलाकार पहले भी बालीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं। फिर चाहे वह कमल हसन हों, रजनीकांत हों, प्रभु देवा हों या वेंकटेश रामचरण और आर .माधवन ही क्यों न हों।

आरती सक्सेना

जहां एक और दक्षिण के बड़े कलाकार बालीवुड फिल्मों में भी काम कर रहे हैं। वहीं बालीवुड के कलाकार दक्षिण की फिल्मों में काम कर रहे हैं। वैसे तो दक्षिण और हिंदी फिल्मों का संगम हमेशा से ही रहा है। लेकिन यह धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। दक्षिण के कई कलाकार बालीवुड फिल्मों में नजर आ रहे हैं। कई सारे दक्षिण के कलाकार आने वाली हिंदी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।1980 और 90 की फिल्मों में दक्षिण के कलाकारों का दौर काफी जोर-शोर से चला था जिसमें कमल हासन, नागार्जुन, रजनीकांत, वेंकटेश आदि दक्षिण के कलाकारों को ना सिर्फ पसंद किया गया था, बल्कि उनकी फिल्में सफल भी हुई थीं। उसके बाद धनुष, आर. माधवन, प्रभु देवा, मोहनलाल, प्रकाश राज, सूर्या, विजय देवरकोंड, राणा दुर्गावती, विजय सेतुपति जैसे अनगिनत कलाकार बालीवुड फिल्मों की शान बढ़ाते रहे हैं। आज भी कई सारे दक्षिण के कलाकार बालीवुड फिल्मों में काम कर रहे हैं और दर्शकों द्वारा सराहे जा रहे हैं। बालीवुड की कई आने वाली फिल्मों में दक्षिण के कलाकार धमाल मचाने जा रहे हैं। जिन में कोई नायक की भूमिका निभा रहा है तो कोई खलनायक की। सलमान खान की पिछले दिनों प्रदर्शित फिल्म 'किसी का भाई, किसी की जान' में दक्षिण के कलाकार रामचरण वेंकटेश और जगपति बाबू नज़र आ चुके हैं। हाल ही में प्रदर्शित शाकुंतलम तेलुगु फिल्म है। और वह हिंदी में भी बनाई गई। इसी तरह बालीवुड में भी कई सारी फिल्मों की पुनर्कृति बन रही है। फिर चाहे वह जल्द ही प्रदर्शित होने वाली अजय देवगन की फिल्म 'भोला 'या 'दृश्यम' ही क्यों ना हो। आज हर

क्षेत्र के कलाकार अपनी फिल्म को दक्षिण या हिंदी फिल्म नहीं बल्कि भारतीय फिल्म के नाम से जानना पसंद करते हैं। शकुंतलाम में मलयालम कलाकार देव मोहन, अल्लू आरहा, मोहन बाबू नजर आएंगे, शाहरूख खान की फिल्म जवान में दक्षिण के हास्य कलाकार योगी बाबू और थलपति विजय नजर आएंगे। जवान फिल्म में खास किरदार, जो अल्लू अर्जुन को प्रस्ताव हुआ था अब वही किरदार कन्नड़ कलाकार शिवा राजकुमार निभा रहे हैं। रामायण फिल्म में रावण का अभिनय यश कुमार करने वाले हैं। बड़े मिया छोटे मियां में पृथ्वीराज सुकुमारन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। शंकर की अगली अनाम फिल्म जो हिंदी में भी बन रही है उसमें थलापति विजय अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म प्रोजेक्ट में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण के साथ प्रभास नजर आएंगे। यह फिल्म टाइम मशीन पर आधारित है जो भागों में बन रही है। फिल्म मुंबईकर में विजय सेतुपति अहम भूमिका में नजर आएंगे।

रामलाल जाट
राजस्व मंत्री, राजस्थान सरकार
पूर्व अध्यक्ष, भीलवाड़ा दुग्ध संघ

सरस
भीलवाड़ा डेयरी

Celebrating
51
Years
ANNIVERSARY

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

-: संचालक मण्डल सदस्य :-

निम्बाराम गुर्जर

गोपाल कुमावत

सुशीला मीणा

भैरूलाल जाट

मानवेन्द्रसिंह

केवलचंद जाट

इन्द्रादेवी गुर्जर

केदार शर्मा

नानालाल जाट

मैना माली

हेमराज गुर्जर

सरस

भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

5, कि.मी. अजमेर रोड़,भीलवाड़ा (राज.) -311001 फोन नं. -01482-324731

(ISO 9001 & 2200 EMS & GMP Certified Organisation)

सरस

भारत ने फहराया चांद पर तिरंगा

पंकज कुमार शर्मा

दक्षिणी ध्रुव के पास पहुंचने वाला पहला देश

23 अगस्त को भारत ने वह कर दिखाया, जिससे दुनियां का चौंकना स्वाभाविक है। इस दिन शाम 5 बजकर 42 मिनट पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने वह कर दिखाया, जो दुनिया का कोई देश अब तक न कर सका। यह अद्भुत, असाधारण, अविश्वसनीय और अविस्मरणीय काम था चंद्रयान - 3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैडिंग। ऐसा होते ही जन-मानस बल्लियों उछल पड़ा, खुशियों के सागर में आसमान छूती लहरें हिलोर लेने लगीं। चंद्रयान - 3 ने आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से चंद्रमा पर लैडिंग से ठीक 42 दिन पहले उड़ान शुरू की थी और उसने यह यात्रा वैज्ञानिकों की उम्मीद से ज्यादा सफल तरीके से पूरी की और इसके हर सिस्टम ने पूरी जिम्मेदारी से अपना काम अंजाम दिया। लैंडर विक्रम भी चंद्रमा पर निर्धारित समय से दो मिनट पहले ही सफलतापूर्वक उतर गया। प्रज्ञान रोवर भी विक्रम की लैंडिग के करीब ढाई घंटे बाद उसके भीतर से सुरक्षित चन्द्र सतह पर निकल आया। वह हौले-हौले चहल-कदमी करता चन्द्रमा के 15 मीटर दायरे की तस्वीरें इसरो को भेजेगा जिसके आधार पर वहां मौजूद प्राकृतिक संसाधनों, उनके दोहन और मानव-बस्तियां बसाने पर अध्ययन किया जाएगा। उसकी जानकारियां बेहद महत्वपूर्ण होंगी। चन्द्रयान ने चांद पर उतर कर जो पहला संदेश भेजा वह था 'मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया और आप भी।' चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखने वाला भारत पहला देश हो गया है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस सहित सभी छोटे-बड़े देशों ने भारत की इस उपलब्धि को दुनिया भर के लिए महत्वपूर्ण बताया है। चंद्रयान-3 अभियान पूरी तरह स्वदेशी था। यह चंद्रयान-2 से लागत में भी सस्ता रहा। इस पर कुल 615 करोड़ रुपए खर्च हुए जबकि चंद्रयान-2 पर 978 करोड़ रुपया खर्च हुआ था।

चंद्रयान-3 के हीरो

एस सोमनाथ इसरो अध्यक्ष, पी वीरमुथुवेल प्रोजेक्ट निदेशक, एस. उन्नीकृष्णन नायर सिस्टम डवलपमेंट में योगदान, एस. राजराजन सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र निदेशक, चयनदत्ता प्रक्षेपण नियंत्रण दायित्व, एम. शंकरन यूआर राव सेटेलाइट सेंटर के निदेशक, चंद्रयान-3 डिजाइन और विकास, रितु कारीधाल चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर उतारने की जिम्मेदारी, मोहन कुमार एलवीएम-3-एम-4 के निदेशक।

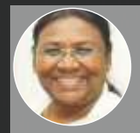

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिग पर देशवासियों को बधाई। यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण अवसर है, इस तरह की घटना जीवनकाल में एक बार होती है।

द्रोपदी मुर्मु
राष्ट्रपति

यह पल विकसित भारत के शंखनाद, नए भारत के जयघोष और जीत के चंदपथ पर चलने का है। वैज्ञानिकों को बधाई, जिनकी वर्षों की अथक मेहनत से भारत उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंच सका। कभी बच्चे कहते थे कि चंदा मामा दूर के, अब वो दिन भी आएगा जब वे कहेंगे, चंदा मामा बस एक टूर के।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री

भारत अब चांद पर है। यह सुनहरे युग की शुरूआत है। हम हमारे दूरगामी मिशनों के लिए तैयार हैं। आने वाले कुछ दिनों तक हमारी न ार चांद पर बराबर रहेगी।

एस. सोमनाथ

चंद्रयान-3 की सफलता प्रत्येक भारतीय की सफलता है। यह सब के लिए गर्व की बात है। हम वैज्ञानिकों, इंजीनियर, रिसर्चर और मिशन को सफल बनाने में शामिल लोगों को सलाम करते हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे
कांग्रेस अध्यक्ष

आखिरकार इसरो के प्रबुद्ध वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत से वह ऐतिहासिक पल आ गया, जिसके लिए पूरा देश प्रार्थना व प्रतीक्षा कर रहा था। चंद्रयान-3 की कामयाबी के लिए टीम के सभी वैज्ञानिकों को हार्दिक बधाई।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

कांग्रेस का मिशन रिपीट

मानगढ़ धाम से राहुल का शंखनाद, फोकस वहां जहां खा चुके शिकस्त, आदिवासी बहुल सीटों पर भरोसा

उमेश शर्मा

चुनावी साल में राजस्थान के प्रमुख दलों कांग्रेस और भाजपा ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। एक तरफ जहां भाजपा लगातार सरकार पर सियासी हमले करते हुए कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस में प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर नियमित बैठकों का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रभारी महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा और पार्टी के अन्य नेता बैठकें ले रहे हैं। कांग्रेस 'मिशन रिपीट' में प्राणपण से जुटी है और चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रही है। बैठकों में पदधिकारियों और कार्यकर्ताओं को नए-नए टास्क दिए जा रहे हैं ताकि हर हाल में पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित की जा सके। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ एवं विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा) से राजस्थान में चुनावी शंखनाद किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर जमकर शब्दबाण चलाए। आदिवासी अंचल की 19 सीटों के मतदाताओं की इस विशाल रैली को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सम्बोधित किया। राजस्थान की कुल 200 विधानसभा सीटों में से 28 आदिवासी प्रभाव वाली हैं। जिनमें से वर्ष 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 11, भाजपा को 14, बीटीपी को 2 और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती थी। आदिवासी अंचल के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और उदयपुर जिले की 19 में से 16 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। बांसवाड़ा को संभाग का दर्जा देकर आदिवासी मतदाताओं को लुभाने वाले सीएम अशोक गहलोत ने ओबीसी आरक्षण को भी 21 से बढ़ाकर 27 प्र.श. करने की बड़ी घोषणा की। कर्नाटक विधान सभा चुनाव में आदिवासी मतदाताओं ने भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को तरजीह दी थी। इसलिए पाटी को लगता है कि राजस्थान सहित पांच राज्यों में जल्दी ही होने वाले चुनाव में आदिवासी मतदाता कांग्रेस को अपनी पहल पसंद बनाएंगे। राहुल गांधी द्वारों राजस्थान के आदिवासी बहुल अंचल में चुनावी शंखनाद से कांग्रेस पड़ौसी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी मतदाताओं को भी प्रभावित करना चाहती है। पिछले विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में आदिवासी प्रभाव वाली 47 सीट में 31 कांग्रेस ने जीती थी। छत्तीसगढ़ में आदिवासी बहुल 29 सीटे हैं, जिनमें से कांग्रेस ने 24 पर जीत दर्ज की थी। भाजपा के केवल चार व एक पर अन्य उम्मीदवार की जीत हुई। राहुल गांधी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह आदिवासियों को वनवासी कहकर उनसे जमीन छीनना चाहती है जबकि जल, जंगल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। भाजपा चाहती है कि आदिवासी जंगलों तक ही सीमित रहें और उनके बच्चे पढ़ लिखकर बड़े ओहदों तक न पहुंच सकें। राहुल गांधी का मंच पर स्वागत करने वालों में डॉ.सी.पी.जोशी, जितेन्द्र सिंह, रघुवीर सिंह मीणा, डॉ. गिरिजा व्यास, सचिन पायलट, डॉ. रघु शर्मा, अर्जुन सिंह बामणिया, ताराचंद भगोरा, मोहनप्रकाश रमेश पंड्या व जिलों में आए कार्यकर्ता भी शामिल थे। राहुल गांधी ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार द्वारा हर वर्ग के उत्थान के लिए घोषित योजनाओं और उनसे 90 लाख से अधिक लोगों को पहुंचे फायदे का भी जिक्र किया।

जहां हारे, वहां विशेष फोकस: कांग्रेस इस बार हर हाल में चुनाव जीतकर भाजपा को शिकस्त देने के मूड में है। इसके तहत विशेष रणनीति के तहत काम किया जा रहा है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में जिन-जिन सीटों पर पार्टी के प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। वहां विशेष फोकस किया जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों का उन क्षेत्रों में लगातार दौरा हो रहा है। स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर पार्टी के कमजोर पहलुओं से निबटने के प्लान तैयार किए जा रहे हैं। टिकट उन्हीं लोगों को देने की कवायद हो रही है, जो अपने क्षेत्र में सक्रिय और अच्छी छवि के साथ जनता में पहचान रखते हैं।

अबकी बार नहीं पैराशूट उम्मीदवार: पिछले दिनों जयपुर में एक बैठक में प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और तीनों सह प्रभारी अमृता धवन, काजी निजामुद्दीन और वीरेन्द्र सिंह यह स्पष्ट कर चुके हैं कि विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी किसी भी सीट पर कोई पैराशूट प्रत्याशी नहीं उतारेगी। प्रत्याशियों का चयन पार्टी से स्थानीय नेताओं के फीडबैक आधार पर किया जाएगा। पार्टी की ओर से करवाए जा रहे सर्वे में जिनका का नाम जिताऊ प्रत्याशी के रूप में आगे आएगा। पार्टी उन्हीं को टिकट देकर मैदान में उतरने का मौका देगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा स्थापना दिवस

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने स्थापना के 115 वर्ष पूरे कर लिए हैं। वर्ष 1908 में 20 जुलाई को बड़ौदा रियासत के महाराज सयाजी राव गायकवाड़ तृतीय ने बैंक की स्थापना की थी। बैंक के उदयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में अनेक कार्यक्रम हुए। क्षेत्र की समस्त शाखाओं की सीएसआर गतिविधियों के तहत कई सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

हुए। कुछ शाखाओं ने राजकीय स्कूलों के बच्चों का स्टेशनरी आदि आवश्यक सामग्री का वितरण किया। वहीं, नीवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंक के सहा. महाप्रबंधक, उप क्षेत्रीय प्रमुख अनादि भट्ट, प्रशांत कुमार जैन आदि मौजूद थे।

डॉ. लक्ष्यराज ने किया आशुलिपि पुस्तक का विमोचन

उदयपुर। तारा संस्थान उदयपुर के निदेशक विजय सिंह चौहान द्वारा हिंदी आशुलिपि - उच्च गतिवर्धक वाक्यांश (भाग-9) का प्रकाशन किया गया। पुस्तक का विमोचन डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने किया। इस पुस्तक के माध्यम से प्रशिक्षार्थी युवा अपनी हिंदी शार्टहैण्ड की गति में उत्तरोत्तर वृद्धि कर सकेंगे। इस अवसर पर तारा संस्थान के मुख्य कार्यकारी एवं सचिव दीपेश मित्तल एवं श्रीमती शीतल श्रीमाली भी उपस्थित थीं।

हरदीप बक्शी को जीएल सीसी 3.0 इंस्पायर अवार्ड

उदयपुर। सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स उदयपुर के चयरमैन हरदीप बक्शी को हैदराबाद में हुए कार्यक्रम में जीएल सीसी इंस्पायर 3.0 अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम में बक्शी ने सीडलिंग समूह का प्रतिनिधित्व किया और शिक्षण कौशलों में सीखने की प्रक्रिया पर विचार व्यक्त किए। समारोह में सीडलिंग द वर्ल्ड स्कूल की ओर से बक्शी को बिहार के महानिरीक्षक (आईजीओ) अमित लोढ़ा ने पुरस्कार दिया।

प्रो.साधना कोठारी गवर्नर नॉमिनी सदस्य नियुक्त

उदयपुर। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के प्रतिनिधि के रूप में प्रो. साधना कोठारी को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम के प्रबंधन मण्डल में गवर्नर नॉमिनी सदस्य नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल पाँच वर्ष का रहेगा। प्रो. साधना कोठारी सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कई पदों पर कार्य कर चुकी हैं। वे आर्ट्स कॉलेज में तीन साल डीन के पद पर भी सेवायें दे चुकी हैं।

ट्रस्ट रूफ हाइट्स सैंपल फ्लैट का उद्घाटन

उदयपुर। न्यू नवरत्न कॉम्प्लैक्स भुवाणा में निर्माणाधीन मल्टीस्टोरीज कॉम्प्लेक्स ट्रस्ट रूफ हाइट्स में सैंपल का विधिवत उद्घाटन हुआ। उद्घाटन फखरूद्दीन फतेहनगर वाला ने किया। इस अवसर पर शब्बीर फतेहनगर वाला, बसंत गिरी गोस्वामी एवं ऑरेंज की रिएल्टर के निदेशक हितेश व्यास उपस्थित रहे। हितेश व्यास ने बताया कि शहर के नजदीक और सही अप्रोच के कारण प्रोजेक्ट के 2 और 3 बीएचके फ्लैट को लेकर लोगों में सकारात्मक रूझान था। लॉन्चिंग के इस मौके पर कुछ फ्लैट की बुकिंग भी हुई।

पीएमसीएच में 256 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन

उदयपुर। भीलों का बेदला स्थित पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में गत दिनों दक्षिणी राजस्थान की सबसे एडवांस 256 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन शुरू की गई। इसका उद्घाटन चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, अमन अग्रवाल , राजकुमार अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी आदि ने किया। चेयरमैन ने बताया कि यहां रोगियों को एक ही छत के नीचे परामर्श, सभी तरह की जांचे, ऑपरेशन के साथ अन्य उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

53 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। गोलछा चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थानीय इकाई के तत्वावधान में राजेन्द्रकुमार गोलछा की 33वीं पुण्यतिथि पर 17वां रक्तदान शिविर गत दिनों लोक मित्र ब्लडबैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें 53 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उपमहापौर पारस सिंघवी, ग्रुप के निर्देशक अशोक छाजेड़, राजेन्द्र पारीख, मोहन पालीवाल, वीशूराय, जाकिर हुसैन आदि मौजूद थे।

जयदीप स्कूल में मुनि संबोध का संबोधन

उदयपुर। पिछले दिनों शौभागपुरा स्थित जयदीप स्कूल में 'वर्सेटाइल पर्सनालिटी डेवलपमेंट विथ साइंस ऑफ लिविंग टेक्नोलॉजी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को आचार्य महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती मुनि सुरेश कुमार जी के सहवर्ती मुनी संबोध कुमार मेधांश ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपना भविष्य

खुद बनाना है,इसके लिए वर्तमान में ही सोचना होगा। हमें पश्चिम के ज्ञान की ज्यादा जरूरत नहीं है, क्योंकि जीवन जीने की कला तो दुनिया भी भारत से ही सीख रही है। उन्होंने छात्रों को परीक्षा में नकल और जीवन में व्यसन न करने की भी शपथ दिलाई। मुनिश्री का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. देवेन्द्र कुमावत ने व परिचय समाज सेवी सोभाग नाहर ने दिया। आभार प्रशासक निहारिका कुमावत ने व्यक्त किया। मुनिश्री ने माता-पिता की सेवा और उनकी आज्ञापालन की भी हिदायत दी।

हार्दिक श्रद्धांजलि

श्रीमती राजमणी गोरवाड़ा

(धर्मपत्नी श्री उग्रसिंहजी गोरवाड़ा एडवोकेट)

स्वर्गवासः 07 अगस्त 2023

आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों मेंो
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में... परिवार की सासों मेंो

श्रद्धावनत

राजीव-साधना, संजीव-रक्षा (पुत्र-पुत्रवधु), मंजू-महेश राठौड़ (पुत्री-दामाद)
ज्योतिबाला, महेन्द्र, ईशा, मनोज, अमित, रिंकल, अंकित,
श्रेया, अमी-श्रवण, निश्मा-आयुष, अक्षय-शीतल राठौड़,
दिव्या, राहुल, रोहन, रिया एवं समस्त गोरवाड़ा परिवार

प्रतिष्ठान

गोरवाड़ा केमिकल इण्डस्ट्रीज, उदयपुर

आग का दरिया है और तैर के जाना है

वेदव्यास

बिना धार का जल और बिना विचार का शब्दबल साहित्य को प्रासंगिक नहीं बना सकता क्योंकि साहित्य में विचार और दर्शन का महत्व है, संवेदना और सरोकार की अनिवार्यता है लेकिन व्यापार और प्रचार की, आयोजन और प्रयोजन की, इनाम-इकरार की, छल-प्रपंच की और केवल आज के नायक की कोई जरूरत नहीं है। जब देश की निरक्षर जनता बिना पढ़े ही रामायण को अपना धर्म ग्रन्थ मान सकती और बिना बोले ही संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी स्वीकार कर सकती है तो फिर वह अच्छे साहित्य को, अमर साहित्य को और प्रेरणास्पद साहित्य को भी हर अंधेरे में पहचान सकती है।

साहित्य भी मनुष्य और समय का पर्याय है इसलिए इस बात पर विचार करना भी जरूरी होगा कि मुद्रा, मंडी और माध्यम (जनसंचार) के त्रिकोण में फंसे लेखक और पाठक की जीवनरेखा और विचार रेखा का क्या भविष्य है।

वैसे तो समकालीन साहित्य के स्वर आजादी प्राप्त करने के बाद से ही बदलने लगे थे किंतु अब यह परिवर्तन इतना हृदय विदारक है कि रचनाकार का मन और संवेदना चिथड़े-चिथड़े होती नजर आ रही है। आदिकाल, वीरकाल, भक्तिकाल और रीति काल के बाद साहित्य में स्वतंत्रता के समय का जो विजयघोष उभरा था वह अब लगभग समाप्त हो गया है। जिस तरह स्वतंत्रता सेनानी अब अपनी पेंशन और वृद्धावस्था निर्वाह भत्ता प्राप्त करने के लिए भ्रष्ट व्यवस्था के निर्माताओं, राजनेताओं को मुख्य अतिथि बनाकर उनका माल्यार्पण कर रहे हैं उसी तरह साहित्यकार भी आत्महीनता और आत्ममुग्धता के दर्प से सतत प्रतिष्ठान की छतरी में अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

दो नंबर की कमाई वाले सेठ और उद्योगपतियों के पुरस्कार एवं तथाकथित स्वयंसेवी संस्थाओं की शॉल-दुशालों की भरमार ने लेखक का गला घोंट रखा है। सरकारी योजना में निर्धारित मद (बजट प्रावधान) की तरफ एक को कुछ लिखना है तो दूसरे को कुछ देना है जैसी स्थिति बन गई है। सत्य के प्रति समर्पण, विचार के प्रति आस्था, मनुष्य के प्रति सरोकार और समय के प्रति सजगता और संवेदना की उसी परंपरा और प्रकृति को अब हमामदस्ते में मूसली से कूटी जा रही है। साहित्य का एक सर्वथा निजी चिंतन-मनन अब मांग और पूर्ति के अनुसार बाजार में परोसा जा रहा है। हालत इतनी नाजुक है कि आप साहित्यकार को अब भीड़ में दूर से अकेले ही पहचान लेंगे। शहर में साहित्य गोष्ठियां लगभग मृत प्राय हैं। भाषा सम्मेलनों में मंत्रियों की सिंह गर्जनाएं हो रही हैं। सभा भवन खाली हैं लेकिन तालियों की गड़गड़ाहट जारी है। आज के नाम पर बीते कल का गौरव गान हो रहा है और वर्ष भर अच्छी रचना पर बहस और चर्चा जगह अब केवल पुरस्कारों की घोषणा की खबर ही हमारे पास शेष बची है। साहित्य के क्षेत्र में यह बदलाव इतनी तेजी से जारी है कि घाटे के इस सौदे में और श्रेष्ठ मनुष्य और समाज को बनाने अथवा रचने की प्रक्रिया में कोई भी शामिल होना नहीं चाहता तथा कबीर और निराला, प्रेमचंद और सुब्रमण्यम भारती, रवींद्रनाथ टैगोर और कालिदास अब यहां ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। शाश्वत की 'भूमिका' का स्थान तात्कालिकता के 'दो शब्द' ने ले लिया है तथा उदभावना से पहचान, पहचान से मान्यता, मान्यता से स्थापना और स्थापना से समृती बनने तक के सारे रास्तों पर प्रकाशक, विक्रेता, सरकारी खरीद के कमीशन, अखबारों के छुट भैय्या संपादक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के गुमराह प्रोड्यूसर और पुरस्कार लूटने वाली पुण्यात्माओं ने लॉटरी के टिकट की टेबल-कुर्सियां जमा ली हैं।

लेखक किधर से निकल कर पाठक तक जाए और रचना को कौनसे रास्ते से पढ़ने और सुनने वालों को शब्द की दास्तान बताए। यह सब यहां एक भूल भुलैय्या बन गई है। अनेक तरह के प्रमाद प्रचलित हैं जैसे कि कुर्ता पजामा पहने वहीं लेखक है। जो अभाव और आह का झोला लेकर घूमता रहे वही सच्चा सृजनकार है, जो देशभक्ति में मरे वही साहित्य सेनानी है। जो लक्ष्मी से परहेज करे वही सरस्वती पुत्र है। जो आदर्श और स्वाभिमान के लिए बलिदान हो जाए वही अजेय-अमिट रचनाकार है। जो कविता लिखे वही क्रिएटिव राइटर है। जो सत्य के लिए राजपाट को ठुकरा दे वही साहित्य वैरागी है। जो भावुक और विनयशील है वही असली साहित्य ज्ञाता है। जो निरंतर-निरंतर विचारशील और संघर्षशील रहे वही साहित्य मनीषी है और जो सदैव अक्खड़ और फक्कड़ रहे वही दूसरा कबीर है। लेकिन अब ऐसा कोई संकट और अनिवार्यता साहित्य के क्षेत्र में मान्य नहीं है क्योंकि साहित्य सर्जन भी आज एक पहचान बनाने का सुविधाघर हो गया है तथा जो भी इस पंक्ति में लग जाएगा वह निश्चय ही किसी यश का भागी और किसी देवस्थान का रागी तो बन ही जाएगा। साहित्य का यह संसार अब अनुभव और अहसास से नहीं निकलता अपितु महज एक आवश्यकता और प्रयोजन से प्रेरित करता है।

आज साहित्य किसी रचनाकार की प्राथमिकता और आजीविका भी नहीं है। साहित्य अब एक पार्ट टाइम जॉब (खाली समय का धंधा) है तथा बगुलों में अपने को हंस समझकर पेश करने का रौब है। हमारे 99 प्रतिशत से अधिक लेखक-साहित्यकार किसी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थान में वेतनभोगी कर्मचारी हैं तथा रंगकर्मी मंगल सक्सेना और कथाकार

यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' (बावन घो ों का सवार) जैसा साहित्य जीवी तो यहां आसपास में है ही नहीं है। यानी कि कविता कहानी लिखकर अब यहां घर गृहस्थी चलाना और मकान-दुकान बनवाना नितांत असंभव है। इसी कारण साहित्य में सरोकारों की चारपाई बिना दावण के ढीली पड़ जाती है और साहित्य की मानव चेतना और सामाजिक परिवर्तन पर पकड़ समाप्त प्राय हो जाती है। मेरा तो आज भी यही विश्वास है कि साहित्य और रचनाकार ही सभी समसामयिक बदलावों के बाद भी मनुष्य और प्रकृति के बीच समय के सूत्रधार की तरह प्रासंगिक रहेगा क्योंकि मंडी-व्यापार, सुख-दु:ख, संसार और मनुष्य-माया का प्रचार- प्रसार क्षणिक है तथा मनुष्य की सामवेदी संस्कृति का हिस्सा नहीं है।

अब जब कविता की पुस्तकें बिकती नहीं हैं, कहानी और उपन्यास में जीवन की अन्तस-सलिला दिखती नहीं है और शोध-अनुसंधान में अन्वेषण के स्थान पर मात्र संयोजन और पुर्नप्रेषण की भरमार है तब भला साहित्य में नवीन सत्य ढूंढने की ललक कैसे पूरी होगी। साहित्य के सबसे बड़े संकट के रूप में आज लेखक खुद उपस्थित है क्योंकि उसे खुद को अपने 'शब्दब्रह्म' पर भरोसा नहीं है। यह भी नितांत सत्य ही है कि बादल सूरज को ढक तो सकते हैं लेकिन आसमान नहीं बन सकते लेकिन प्रयास की धारा रचनात्मकता की तरह बहे इसका सचेष्ट अनुसरण भी बहुत आवश्यक है। साहित्य में तत्काल अमरतत्व प्राप्त करने की मनुष्य लालसा कभी पूरी नहीं हो सकती क्योंकि साहित्य एक अनवरत अन्तसंघर्ष है और मनुष्य के लोक मंगल की प्रतिबद्धता है।

साहित्य में लक्ष्मी का प्रवेश इतना नुकसानदेह नहीं है जितना कि अपनी सुख-सुविधा के लिए मूल्यों को बदलते रहना हानिकारक है। नौकरी तो प्रेमचंद भी करते थे और दरबारी कवि भी लाख-करोड़ पाते थे लेकिन इन सबके बाद भी वे कीचड़ में कमल की तरह रहकर, निज को गौण बनाकर, साहित्य को समय का प्रासंगिक शिलालेख बनाने की अपनी हठ भी नहीं छोड़ते थे और यही कारण था कि मैक्सिम गोर्की की पुस्तक 'मां' ने, ताल्सताय की पुस्तक 'युद्ध और शांति' ने, दस्तोवस्की की पुस्तक 'अपराध और दण्ड' ने, रवींद्र नाथ टैगोर की 'गीतांजलि' ने, बंकिम चंद्र चटर्जी के 'आनंदमठ' ने और ऐसी ही अनेकानेक कालजयी रचनाओं ने हमारे समय के सभी कालखंडों को उपलब्धि मूलक बनाया है। साहित्य को मनुष्य से अलग करना तो ठीक वैसा ही है जैसे कोई आंखों से उसकी रोशनी चुरा ले। साहित्य में 'मंडी और मीडिया' का प्रवेश भी एक समसामयिक घटनाक्रम है तथा व्यापारी और कमीशन भी एक आयाराम-गयाराम जैसी प्रवृत्ति है इसलिए सरस्वती पर लक्ष्मी का यह आक्रमण भी एक लेखक को मनुष्य के पराभव काल की तरह का नंगापन पहली बार अच्छा लगता है लेकिन चौबीसों घंटे का दिगंबर जगत किसी 'तीर्थंकर' को पैदा नहीं करता। अनेकानेक दूषण-प्रदूषण के बाद भी गंगा तो गंगा ही रहेगी और मुद्रा, मंडी और माध्यम (मीडिया) के हस्तक्षेप से भी साहित्य तो समय पर सत्य की विजय का मानव विज्ञान ही रहेगा। लेकिन बिना धार का जल और बिना विचार का शब्दबल साहित्य को प्रासंगिक नहीं बना सकता क्योंकि साहित्य में विचार और दर्शन का महत्व है, संवेदना और सरोकार की अनिवार्यता है लेकिन व्यापार और प्रचार की, आयोजन और प्रयोजन की, इनाम-इकरार की, छल-प्रपंच की और केवल आज के नायक की कोई जरूरत नहीं है। जब देश कीनिरक्षर जनता बिना पढ़े ही रामायण को अपना धर्म ग्रन्थ मान सकती और बिना बोले ही संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी स्वीकार कर सकती है तो फिर वह अच्छे साहित्य को, अमर साहित्य को और प्रेरणास्पद साहित्य को भी हर अंधेरे में पहचान सकती है। इसलिए साहित्य में मनुष्य के द्वारा फैलाए जा रहे इस आतंक और अराजकता को एक रचनाकार ही रोकेगा और ललकारेगा ताकि सृजन में विचार और व्यवस्था का, लक्ष्मी और सरस्वती का, 'एकला चलो रे' और 'भीड़ में मिलो रे' का अंतर समाप्त किया जा सके। कबीर ने ऐसे ही नकली कलमचियों के लिए लिखा था कि-कबिरा बिगड्यो, राम दुहाई।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राजस्थान साहित्य अकादमी में 17 जुलाई को अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दयाकृष्ण विजय की पुण्यतिथि एवं 31 जुलाई को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती पर संगोष्ठियों का आयोजन सम्पन्न हुआ।

परंपरा के वाहक कवि थे डॉ. दयाकृष्णः प्रो. शर्मा

उदयपुर। आलोचक, साहित्यकार प्रो. कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि परंपरा से जुड़कर साहित्य सृजन और पौराणिक आख्यानों को लेकर लेखन का यहां एक लंबा इतिहास रहा है। उस परंपरा निर्वहन में राजस्थान में भी अनेक साहित्यकारों ने योगदान दिया। साहित्यकार डॉ. दयाकृष्ण विजय (कोटा)उसी परंपरा के अनुयायी साहित्यकार थे और बतौर राजस्थान साहित्य अकादमी अध्यक्ष उनका योगदान उल्लेखनीय था। प्रो. शर्मा 17 जुलाई को अकादमी की ओर से डॉ. दयाकृष्ण विजय की पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विजय वेद से अधुनातन तक जागरूक कवि थे और यही उनकी खासियत थी। विशिष्ट वक्ता अकादमी के पूर्व सचिव डॉ. लक्ष्मीनारायण नंदवाना ने कहा कि पूर्व विधायक डॉ. विजय एक कुशल संगठनकर्ता थे। साहित्यकार डॉ. ज्योतिपुंज व डॉ. कुंदन माली ने भी डॉ. विजय के साथ बिताए समय की यादों को ताजा किया। अध्यक्षता करते हुए अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने कहा कि अकादमी अपने पुरोधा साहित्यकारों एवं पूर्व अध्यक्षों को याद करने के प्रति संकल्पबद्ध है। उन्होंने अकादमी की भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। अकादमी सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने धन्यवाद व संचालन रामदयाल मेहरा ने किया। कार्यक्रम में मधुमती के संपादक डॉ. दिनेश चारण, विष्णु शर्मा हितैषी, डॉ. करूणा दशोरा, किरणबाला जीनगर, रीना मेनारिया, डॉ. तराना परवीन, कपिल पालीवाल, श्रेणीदान चारण, अशोक जैन मंथन, खुर्शीद शेख, मनमोहन मधुकर, प्रकाश तातेड़, तरूण कुमार दाधीच, सुनील तांत, दुर्गेश नंदवाना, विष्णु पालीवाल, डॉ. प्रकाश नेभनानी, जयप्रकाश भटनागर,दिनेश अरोड़ा, नरेंद्र सिंह राजपूत सहित अनेक साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

-राम दयाल मेहरा

प्रेमचंद देश के पहले स्त्री और दलित विमर्शकार

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 143वीं जयंती पर 31 जुलाई को आयोजित साहित्य संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. सदाशिव श्रोत्रिय ने कहा कि प्रेमचंद जिस वर्ग, समाज का साहित्य रचते थे उसके साथ हमें चलने की आवश्यकता है। आज के विषमता भरे समय में साहित्य के माध्यम से ही समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष किशन दाधीच ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य समाज की रूढ़ियों, कर्म-काण्डों, अंधविश्वासों से मुक्ति दिलाता है। उनका लेखन प्रतिरोध की ताकत बढ़ाता है और नए विचार प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. तराना परवीन ने कहा कि प्रेमचंद ने जिन स्त्री पात्रों को रचा था वैसी स्त्रियां हमारे अपने समय में प्रायः देखी जा सकती हैं। स्त्रियों के प्रति पितृसत्तात्मक व्यवहार जनतंत्र के अस्सी वर्षों बाद भी परिवर्तित नहीं हुआ है। इस अर्थ में प्रेमचंद का लेखन आज भी प्रासंगिक है। विशिष्ट वक्ता डॉ. सरवत खान ने कहा कि प्रेमचंद के साहित्य में उस जमाने के दुख-दर्द, सियासत, समाज, संस्कृति, सभ्यता के दर्शन होते हैं। हिंदी एवं उर्दू दोनों भाषाएं भारतीय समाज की विलक्षण धाराएं है और प्रेमचंद ने दोनों में पर्याप्त लेखन किया। प्रो. के.के. शर्मा ने कहा स्त्री, दलित और शोषित वर्ग पर विमर्श के बीज प्रेमचंद के लेखन में ही मिलते हैं। कार्यक्रम संचालक डॉ. हेमेन्द्र चण्डालिया ने कहा कि महाजनी सभ्यता प्रेमचंद के जमाने से वर्तमान में अधिक जटिल है, शोषण कहीं उससे अधिक है। आदर्श समाजवाद की दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश जरूरी है। इसके बिना कोई समाज उन्नत नहीं हो सकता। प्रारम्भ में सरस्वती सभा के सदस्य प्रवेश परदेशी ने अतिथियों और उपस्थित साहित्यकारों का स्वागत एवं रामदयाल मेहरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योतिपुंज, विष्णु शर्मा हितैषी, अशोक जैन, श्रीनिवास अय्यर, डॉ.हुसैनी बोहरा, इकबाल हुसैन, किरण आचार्य, बिलाल पठान, बलवीर सिंह भटनागर, पूरन भू, रीना मेनारिया, बीना गौड़, राजकुमार खटीक, जगदीश पालीवाल, लईक हुसैन, खर्शीद शेख, पियूष जोशी, विजय कुमार नाकाम, गोविन्द गौड़, श्रेणीदान चारण, अशोक आचार्य आदि उपस्थित रहे।

-प्रवेश परदेशी

रीना को 'रांगेय राघव पुरस्कार'

प्रदेश की जानी मानी कहानीकार रीना मेनारिया, उदयपुर को राजस्थान साहित्य अकादमी की ओर से उनकी बहुचर्चित पुस्तक 'बनास पार' पर रांगेय राघव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 31 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाएगी। इनकी कई अन्य पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें राजस्थानी और हिंदी दोनों ही भाषाओं में उपन्यास तथा कहानी संग्रह शामिल हैं। राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से भी रीना पुरस्कृत हो चुकी हैं।

WITH BEST COMPLIMENTS

Parmeshwar Agarwal
Director

PREM

MARBLES PVT. LTD.

ELEGANCE ENGRAVED ETERNAL

Marine Black Cherry Gold Marine Beige

NH 8, Amberi, Udaipur - 313004 Rajasthan, India
M : +91 8890473333 / 8003834567
Email : stone@premmarbles.com
Website : www.premmarbles.com

मन और मस्तिष्क को परेशान करता है मच्छर का काटना

छोटा सा मच्छर हमें कभी भी, कहीं भी काटकर गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। अपने व परिवार के स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी है कि घर में मच्छरों को पनपने का मौका ही न दिया जाए।

पीयूष शर्मा

इन दिनों मच्छरों ने सभी को परेशान कर रखा है। कभी-कभी ये इतने ढीठ हो जाते हैं कि किसी भी उपाय से नहीं मानते। मच्छरों को भगाने के अलावा ऐसे प्रयास भी किए जाने जरूरी हैं जिनसे घर और आसपास मच्छर पनपे ही नहीं।

यहां पलते हैं ये

अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है कि घर में मच्छरों को पनपने की जगह ही न दी जाए। घरों में ये आमतौर पर पुराने टायर, गमलों, पानी की टंकियों, जार, कूलर, वाटर स्टोरेज कंटेनर, जानवरों के रहने वाली जगहें, छत, बालकनी या अन्य जगहों पर पड़े टूटे-फूटे सामान, बर्तन आदि में जीते हैं। साथ ही तमाम ऐसी जगहें इनके पनपने के ठिकाने हैं जहां पानी ठहरता हो।

मच्छर से कई रोग

मच्छर न केवल रात में नींद हराम करते हैं बल्कि इनके काटने से कई बीमारियां भी होती हैं। मलेरिया, येलो फीवर, डेंगू फीवर, चिकनगुनिया, काला ज्वर आदि इनमें प्रमुख हैं। हम सब जानते हैं कि डेंगू इनमें सबसे अधिक खतरनाक बुखार है। यह बरसात के दिनों में फैलने वाली संक्रामक बीमारी हैं, जो मादा एडीस मच्छर के काटने से होती है। हर साल बहुत से लोग इससे अपनी जान भी गंवाते हैं। इससे बचने का उपाय सावधानी और जागरूकता में ही है।

बरसात है अनुकूल

बरसात व गर्मी, दोनों ही मौसम ऐसे हैं जब मच्छरों का प्रकोप सबसे अधिक होता है। बारिश तो इनके लिए सबसे अनुकूल मौसम है। जब ये अधिक सक्रिय हो जाते हैं। इन दिनों मौसम में ज्यादा नमी, अनुकूल तापमान व मौसम के हिसाब से मच्छरों की प्रजनन क्षमता बढ़ जाती है। घर के आसपास इकट्ठे साफ पानी में ये अंडे देते हैं। ये अंडे 10 दिनों में परिपक्व होकर व्यस्क मच्छर बन जाते हैं। इसी तरह यह चक्र चलता रहता है।

यूं भगाएं

- नीम के तेल में कपूर मिलाएं। स्प्रे बोतल में भर लें। इसे तेज पत्तों पर स्प्रे कर जला दें।
- नारियल, पिपरमिंट तेल, लॉग, नीम की थोड़ी-थोड़ी समान मात्रा में मिलाएं। इसे सोते समय शरीर के खुले हिस्सों पर लगाएं मच्छर नहीं काटंगे। लैवेंडर ऑयल की खुशबू से भी मच्छर दूर रहते हैं। कमरे में एक कोने में प्राकृतिक फ्रेशनर के रूप में कुछ बूंदें छिड़क दें।
- जहां पर मच्छर अधिक हो वहां थोड़ा सा कपूर जला दें। मच्छर भाग जाएंगे।

ये प्रयास भी करें

- मच्छरों के लार्वा को नष्ट करना व एडल्ट मच्छरों पर नियंत्रण
- घर में काले और गहरे रंगों के परदों या कालीन से बचना।
- सप्ताह में एक बार कूलर का पानी बदलें।
- कूलर में मिट्टी का तेल या पेट्रोल की बूंदें छिड़क दें।
- घर की नालियों में भी मिट्टी के तेल का छिड़काव करते रहें।
- शरीर को ढंक कर रखें।
- शिशुाओं को मच्छर से बचाने के लिए मच्छरदानी लगाएं।
- घर को साफ-सुथरा रखें और घर के बाहर भी स्वच्छता का ध्यान रखें।
- छत का कबाड़ इकट्ठा न करें।

आदिवासी गांवों में पशु-रक्षा का लोकानुष्ठानः बेडियू

डॉ. दीपक आचार्य

सदियों से पहाड़ों और जंगलों में प्रकृति के बीच जीने वाले लोगों का पूरा जीवन प्रकृति के रंग-रस में इतना रमा है कि उनकी जीवन शैली में हर पल प्रकृति का ही संगीत सुनाई देता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जनजाति समुदायों की तमाम परम्पराएं प्रकृति के साथ इतनी घुली-मिली हैं कि इनका कोई भी सामाजिक या परिवेशीय अनुष्ठान अथवा उत्सव प्रकृति से तालमेल बगैर पूरा ही नहीं होता। इन जनजाति समुदायों की अपनी अलग-अलग अनूठी परम्पराएं हैं। आदिवासी बहुल वागड़ अंचल (राजस्थान) में अधिकतर लोगों की आजीविका कृषि और पशुपालन पर आधारित है। पशु ही यहां के लोगों का धन और हैसियत का प्रतीक हैं। आदिवासी क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं में हाल के वर्षो में व्यापक सुधार व विस्तार हुआ है तथापि अपने पशुओं को वर्ष भर निरोगी रखने की दृष्टि से आज भी वनाँचल में 'बेडियू' प्रथा अपने मौलिक स्वरूप में विद्यमान है। सदियों पुरानी यह परंपरा पशु धन के प्रति आस्था और शाश्वत प्रेम का संदेश देने के साथ कौतूहल भी है। आम तौर पर बरसात के मौसम में यहाँ के लोग अनन्त चतुर्दशी से पहले इस परम्परागत रस्म का निर्वाह करते हैं। आदिवासी क्षेत्रों में 'बेडियू' का अनुष्ठान भाद्रपद माह में सम्पन्न किया जाता है। गांव के हर-घर में सूचित कर रविवार को तमाम लोग माताजी या अन्य देवी-देवता के मन्दिर, सार्वजनिक स्थल या गाँव के बाहर एकत्रित होते हैं और उसके बाद शुरू होता है पशु रोग मुक्ति का यह अनोखा पारंपरिक अनुष्ठान। रविवार को यह रस्म नहीं हो पाने की स्थिति में मंगलवार को इसे सम्पन्न किया जाता है। मन्दिर का सेवक या गाँव का भोपा मटके में शुद्ध पानी मंगवाता है। मान्यता है कि इस भोपे के शरीर में देवी का भार(भाव) आता है। भोपा आंचलिक बोली में विभिन्न मंत्र उच्चारते हुए नीम की पत्तियां डालता जाता है। इसके साथ ही सिन्दूर, दूब , नारियल की चटख, कुंकम, इत्र, अष्टगंध आदि भी मिलाए जाते हैं। यह सब करते वक्त तमाम ग्रामीण वनदेवी माँ और अन्य देवी-देवताओं से ग्राम पशुओं की रक्षा की प्रार्थना करते हैं।

सभी अनिष्टों का शमन करता है बेडियू

इस टोटके के साथ खजूर की पत्तियों, डालियों तथा रेशे की रस्सी से छोटी सी गाड़ी बनाई जाती है। इस पर लाल कपड़े से ढका श्रीफल रख मिट्टी का घड़ा स्थापित किया जाता है जिसे सिंदूर, कुंकुम, टीली-फुंदी आदि से सजाया जाता है। लाल व हरे रंग की दो ध्वजाएं इस पर लगाई जाती हैं। गाँव का भोंपा परम्परागत मंत्रों के साथ इसकी पूजा करता है। सात आदमी इसे लेकर गाँव के चारों तरफ घुमाते हैं तथा फिर इस बेडियू (रथ)को गाँव की सीमा से बाहर जाकर रख आते हैं, पीछे मुड़कर नहीं देखते।

अभिमंत्रित रस्सी देती है आरोग्य का वरदानः इस अनुष्ठान के बाद ग्राम प्रवेश वाली मुख्य सड़क पर मंत्रों से अभिमंत्रित खजूर के पत्तों से बनी रस्सी बाँध दी जाती है जिस पर नीम की टहनियाँ लटकायी जाती हैं। ग्रामवासी अपने पशुओं को लेकर नियत स्थल पर जमा होते हैं। एक व्यक्ति मंत्रोच्चार करता हुआ अभिमन्त्रित जल (जिसे स्थानीय भाषा में 'करवणी' कहा जाता है) नीम की टहनी से पशुओं पर छिड़कता रहता है और पशुओं को रस्सी के नीचे से होकर आगे गुजारा जाता है। इस स्थल पर नारियल और अन्य हवन सामग्री एवं समिधाओं की आहूतियां लगातार होती रहती हैं। उच्च नाद के साथ ढोल का लगातार वादन होता है। इस समय गाँव का एक भी पशु ऐसा नहीं होता है जो रस्सी के नीचे से होकर न गुजारा गया हो। गाँव के तमाम पशुओं के अभिमंत्रित सुरक्षा रस्सी के नीचे से गुजरने के बाद यह विश्वास कर लिया जाता है कि अब गाँव का पशुधन रोगों के प्रकोप से बचा रहेगा। आस्था का भाव यह भी है कि जो पशु इस रस्सी के नीचे से होकर गाँव में प्रवेश कर लेता है वह दैवीय कृपा से साल भर निरोग भी बना रहता है। गांव के पूरे पशुओं के रस्सी से होकर एवं पवित्र जल से अभिमन्त्रित होकर गुजर जाने के बाद घड़े में पानी मिलाकर 'करवणी'(दैवीय जल) की मात्रा बढ़ा दी जाती है। लोग यह करवणी अर्थात मंत्रों से अभिमंत्रित दिव्य जल विविध पात्रों में अपने घर ले जाते हैं तथा खेतों, सब्जियों की बाड़ों-वाड़ियों, पशुओं के रहने के स्थलों आदि में छिड़काव कर देते हैं। प्राचीन मान्यता है कि इस टोटके से गांव के पशुओं की स्वास्थ्य रक्षा होती है और संपन्नता आती है।

नया संसद भवन

एक भारत- श्रेष्ठ भारत

भव्य नए संसद भवन की दीवारों और गलियारों में प्रदर्शित कलाकृतियां, वैदिक काल से लेकर आज तक भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं की कहानियां बयां करती हैं। देश में लोकतंत्र के विकास को नए संसद भवन के 'कांस्टीटयूशन हाल' में प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शाया गया है।

'कांस्टीटयूशन हाल', जिसमें भारतीय संविधान की एक डिजिटल प्रति है, में आधुनिकता का स्पर्श है क्योंकि इसमें पृथ्वी के घूर्णन को प्रदर्शित करने के लिए 'फौकाल्ट पेंडुलम' भी है। इस भवन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही कहा, 'लोकतंत्र केवल भारत में प्रचलित व्यवस्था नहीं है बल्कि यह एक संस्कृति, विचार और परंपरा है। हमारे वेद हमें सभा और समिति के लोकतांत्रिक आदर्शों की शिक्षा देते हैं। हमें महाभारत में गणतंत्र का वर्णन मिलता है।'

'फौकाल्ट पेंडुलम' संविधान हाल की त्रिकोणीय छत से एक बड़े रोशनदान से लटका हुआ है और ब्रह्मांड के साथ भारत के विचार को दर्शाता है। प्रभावशाली विधायी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा कक्ष में एक डिजिटल मतदान प्रणाली और अत्याधुनिक 'आडियो- विजुअल' प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

इस भवन में तीन औपचारिक अग्रदीर्घाएं हैं जहां महात्मा गांधी, चाणक्य, गार्गी, सरदार वल्लभभाई पटेल, बीआर आंबेडकर और कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ के पहिए की विशाल पीतल की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। सार्वजनिक प्रवेश द्वार तीन दीर्घाओं की ओर जाते हैं। संगीत गैलरी जो भारत के नृत्य, गीत और संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करती है । स्थापत्य गैलरी देश की स्थापत्य विरासत को दर्शाती है और शिल्प गैलरी विभिन्न राज्यों की विशिष्ट हस्तकला परंपराओं को प्रदर्शित करती है।

नए संसद भवन में लगभग 5,000 कलाकृतियां है, जिनमें पेंटिंग, पत्थर की मूर्तियां और धातु चित्र शामिल हैं। लोकसभा कक्ष का आंतरिक भाग राष्ट्रीय पक्षी मोर के विषय पर आधारित हैं, जबकि राज्यसभा के कक्ष में राष्ट्रीय फूल 'कमल' को दर्शाया गया है।

उस्ताद अमजद अली खान, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, पंडित रविशंकर सहित प्रख्यात संगीतकारों और उनके परिवार के सदस्यों ने संगीत गैलरी के लिए अपने वाद्य यंत्र दान किए हैं।

चार मंजिला संसद भवन का निर्मित क्षेत्र 54,500 वर्गमीटर है और इसमें दो कक्ष हैं 888 सीट वाली लोकसभा, जिसमें दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के लिए 1,272 सदस्य शामिल हो सकते हैं और 384 सीट वाला राज्यसभा कक्ष है। संसद भवन में बरगद का एक पेड़ भी है। नए भवन में छह नए समिति कक्ष और मंत्रिपरिषद के कार्यालयों के रूप में उपयोग के लिए 92 कमरे हैं। नए संसद भवन में प्रयुक्त सागौन की लकड़ी नागपुर से लाई गई, जबकि लाल और सफेद बलुआ पत्थर राजस्थान के सरमथुरा से लाया गया। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले और हुमायूं के मकबरे के लिए बलुआ पत्थर भी सरमथुरा से लाया गया था । केसरिया हरा पत्थर उदयपुर से, अजमेर के निकट लाखा से लाल ग्रेनाइट और सफेद संगमरमर अंबाजी, राजस्थान से मंगवाया गया है। अन्य सामग्रियां भी विभिन्न राज्यों से आई हैं।

'एक तरह से लोकतंत्र के इस मंदिर के निर्माण के लिए पूरा देश एक साथ आया, इस प्रकार यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत की सच्ची' भावना को दर्शाता है।'

-शूरवीर सिंह कच्छावा

सावन- दो गीत

डॉ. जयप्रकाश भाटी 'नीरव'

सावन की संध्या

फूल उठी सावन की संध्या
नभ पर फूली रे।
गगन गुलाबी
कुमकुम नाभी,
हरिभरी धरती हरियाली
उतर रही भेड़ों को लेकर
शिखर ढाल पर 'रक्खो' गाती।
और, मौलश्री की डाली पर
कोयल झूली रे।
संध्या फूली रे।।

पंछी उड़ते थके-उतरते
अपने सुन्दर पंख हिलाते
अलगोजे पर ताल मिलाते
'रज्जो' - 'भानू' आह्ला गाते।
मारग चलती ठगी अहीरन
सुध-बुध भूली रे।
संध्या फूली रे।।

रवि अस्ताचल
बात सुचंचल
मुखरित है मर्मर का गुंजन
'अंधकार' बढ़ता आता है-
देख रही पनघट पनिहारिन
खींच रही कुछ भाव-चितेरी के,
मन-तूली रे।
संध्या फूली रे।।

झरती बूँदे ले चंचलता

श्यामल रजनी, धनश्याम सजल
झरती बूँदे ले चंचलता।
उत्ताप-उष्णता से आकुल,
लघु-जीवन की भावुक चुलबुल
जितनी असंख्य
उतनी बूँदें-

झरती उर-सागर-निश्च्छलता
झरती बूँदे ले चंचलता
मिट्टी फिर से जीवित होती
ये बिखर रहे उस पर मोती,
मानस-नीरद के
सजल-सरल-
मृन्मय सीपी की सुन्दरता।
झरती बूँदें ले चंचलता।।
तड़ित-लास गर्जन करता
चुपचाप हृदय मेरा डरता,
खलते मुझको
केवल ये दो-

एकाकीपन-यह नीरवता।
झरती बूँदें ले चंचलता।।
घुलती कलिओं की रूप-गंध
मेरे लोचन के शिथिल-बंध
बह चली यमुना।
सुधि मधुर उमड़।
जग को देने अपनी ममता।
झरती बूँदें ले चंचलता।।

पाठक पीठ

'प्रत्यूष' का अगस्त 23 का अंक मिला। विश्व आदिवासी दिवस-9 अगस्त के क्रम में पत्रिका के प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी का आलेख आदिवासी उत्थान पर गांधी का चिंतन सामयिक और मननीय था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कभी अतीत नहीं हो सकते। वे भारत के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। उनके विचार और संदेश हर काल में प्रासंगिक रहेंगे।

मयंक मनीष, आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

सनत जोशी का अगस्त के अंक में प्रकाशित आलेख रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़त आर्टिकल सामयिक तो था ही विकसित और मजबूत होते भारत की तस्वीर भी पेश करता है। देश का कृषि उद्योग सहित हर क्षेत्र में अधुनातन तकनीक के साथ आगे बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात हैं।

एन.के. रावल, उपमहाप्रबंधक,
लिपि डेटा सिस्टम्स

प्रत्यूष पिछले 20-22 वर्ष से नियमित है। इसमें चयनित सामग्री विविध रूचि वाले पाठकों के लिए उपयोगी होती है। भाषा-संयोजन के साथ इसका मेकअप भी अच्छा है। कवर पृष्ठ सामयिक और सुंदर होते हैं। इसके कुछ पृष्ठों को और बहुरंगी बनाया जाना चाहिए।

अंकित जैन,
उद्योगपति

मैं प्रत्यूष का नियमित पाठक हूं। अगस्त के अंक में 'सत्य के आश्रय में ही सुख' डॉ. दीपक आचार्य व हीरालाल नागदा का वास्तु संबंधी लेख अच्छा लगा। मासिक राशिफल को सबसे पहले देखता हूं।

डालचंद हलवाई,
व्यवसायी

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

भारतीय क्रिकेट में खब्बू बल्लेबाजों की दस्तक

यशस्वी

खेल को चमकदार बनाने वाले क्रिकेटरों की कमी नहीं है। बल्लेबाज दाएं हाथ का हो या बाएं हाथ का उसने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाया है। इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने के बाद से खिलाड़ियों ने अपनी शैली और तकनीक से इसमें रोमांच भरा है। नए स्ट्रोक ईजाद हुए, बल्लेबाजी में आकर्षण आया और फटाफट क्रिकेट में तो ताबड़तोड़ अंदाज से चौके-छक्कों की बरसात हुई। आइपीएल का सोलहवां संस्करण तो और भी दिलचस्प बन गया। 200 से ऊपर रन बने ही नहीं, पीछा भी किया गया। इस बार की लीग में खब्बू बल्लेबाजों ने भी अपना जलवा बिखेरा।

मोहम्मद अबरार

क्रिकेट की हर विधा में कभी खब्बू बल्लेबाज भारतीयों के लिए सिरदर्द होते थे। इनकी लंबी सूची है। गैरी सोबर्स, क्लाइव लायड, एल्विन कालीचरण, ब्रायन लारा, क्रिस गेल, निकोलस पूरन, सनत जयसूर्या, कुमार संगकारा, एलन बोर्डर, एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू हेडन, डेविड वार्नर, जान राइट, डेविड गावर, बेन स्टोक्स, सईद अनवर, डेविड मिलर, ग्रीम पोलक, क्विंटेन डिकाक जैसे अनेक खिलाड़ियों ने कमाल दिखाया है। भारतीय बल्लेबाजों में सौरव गांगुली, युवराज सिंह, शिखर धवन, गौतम गंभीर और ऋषभ पंत जैसे खब्बू बल्लेबाजों ने जलवा दिखाया है।

इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में जहां विदेशी खब्बू बल्लेबाजों ने धाक जमाई तो वहीं भारतीय भी पीछे नहीं रहे । राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल, कोलकाता नाइटराइडर्स के रिंकू सिंह व नीतीश राणा, मुंबई इंडियंस के ईशान किशन व तिलक वर्मा, चेन्नई सुपरकिंग्स के शिवम दुबे के आक्रामक खेल ने रंग जमा दिया। ये सभी मैच विजेता भी साबित हुए।

एक युवा खिलाड़ी के तौर पर यशस्वी जायसवाल ने आइपीएल में अपना जबर्दस्त प्रभाव छोड़ा। अपने दम पर उन्होंने टीम को कई मैच जिताए। साथ ही उन्होंने अपने से कहीं अनुभवी ओपनर जोस बटलर और संजू सैमसन

रिंकू सिंह

के प्रदर्शन को फीका बना दिया। गेंदबाज तेज हो या स्पिन उन्होंने अच्छी मार लगाई। अंडर–19 विश्व कप विजेता टीम के इस खिलाड़ी ने खूब रन बटोरे। बिना भारतीय टीम में आए खिलाड़ी का 600 से ज्यादा रन बनाना प्रशंसनीय है।

उत्तर प्रदेश में जन्में और मुंबई के लिए खेलने वाले जायसवाल ने आइपीएल की 37 पारियों में 1172 रन बनाए हैं। 124 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसके अलावा उन्होंने आठ आइपीएल अर्धशतक भी लगाए हैं। 31.67 की औसत और 148.7 का स्ट्राइक रेट उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का गवाह है। इस आइपीएल के 14 मैचों में जायसवाल ने 48.07 की औसत और 163.6 से स्ट्राइक रेट से 625 रन बनाए। फलस्वरूप वे भारतीय टीम का हिस्सा बने और वेस्ट इंडीज के खिलाफ डोमिनिका में खेली गई टेस्ट श्रृंखला में डेब्यू कर पहले मैच में ही शतक (171) ठोक दिया। इस तरह वे डेब्यू टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पूर्व शिखर धवन और रोहित शर्मा यह कारनामा 2013 में कर चुके है आईपीएल में। एक शतक, पांच अर्धशतक के कारण वे पूर्व क्रिकेटरों के चहेते बन गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट में भी जायसवाल ने अर्ध शतक जमाए। एक दिवसीय मैच में इन्होंने आतिशी बल्लेबाजी की।

कोलकाता नाइटराइडर्स के रिंकू सिंह भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने बूते पर टीम को कुछ मैचों में जीत दिलाई। खास तौर से पिछली चैंपियन गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच की

तिलक वर्मा

आखिरी पांच गेंदों पर पांच छक्के उड़ाकर उन्होंने हार को जीत में बदल दिया। रिंकू खेल तो कुछ समय से रहे हैं, लेकिन इस बार के प्रदर्शन से वे खिलाड़ी से सितारे बन गए। 14 मैचों में 474 रन बनाना और दबाव में बिना विचलित हुए लक्ष्य को पाना काबिले तारीफ है। उन्होंने 59.25 की औसत और 149.52 के स्ट्राइक रेट से यह रन बनाए। चीन के झांगझाऊ में 23 सितम्बर से शुरू होने वाले एशियन गेम्स में रिंकू सिंह, यशस्वी जयसवाल और तिलक वर्मा तीनों ही भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा होंगे।

मुंबई इंडियन के 20 वर्षीय खब्बू बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी आईपीएल में चमकदार प्रदर्शन किया। उनके साथी ईशान किशन ने भी समय-समय पर अपनी बल्लेबाजी का रंग जमाया। फलस्वरूप उन्होंने भी वेस्टइंडीज (डोमिनिका)में सम्पन्न टेस्ट श्रृंखला में पदार्पण कर लिया। हालांकि किशन में डेब्यू टेस्ट खेलते हुए हिचक थी। वे 22 गेंदों में 1 रन बना कर नाबाद रहे। इस एक रन के बनते ही रोहित शर्मा ने पारी समाप्ति की घोषणा की। लेकिन एक दिवसीय मैच में इन्होंने रन की झड़ी लगा दी। तिलक वर्मा का जुझारूपन और सधा हुआ प्रदर्शन उन्हें मध्यम क्रम में स्थान दिला सकता है। वेंकटेश अय्यर ने भी चंद शानदार पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की। न्यूजीलैंड के डेवोन कान्वे ने (600 से ज्यादा रन) भी अपनी बल्लेबाजी का रंग जमाया। वे ऋतुराज गायकवाड़ के साथ चेन्नई सुपरकिंग्स को मजबूत आधार देने में सफल रहे। इस सलामी जोड़ी की सफलता का भी चेन्नई टीम के बेहतरीन प्रदर्शन में अहम योगदान रहा। यह इस बार की सफल सलामी जोड़ियों में एक रही। आइपीएल में इस जोड़ी ने चार शतकीय साझेदारियां निभाई।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लोकेश जैन
डायरेक्टर
9413025265

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

मोहनलाल शिवलाल जैन

झाड़ू के निर्माता

झाड़ू, ब्रुश, हाउस कीपिंग, लकड़ी के सामान एवं जनरल सामान के विक्रेता

13, देहलीगेट अन्दर, उदयपुर (राज.)

कृषि क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

*'**देश में** ग्रामीणांचल में कृषि पर आधारित उद्यम करके लोग अपनी आमदनी को बढ़ाते है। इनमें मुख्य रुप से फ़सलों की खेती, पशुपालन, डेयरी, मुर्गीपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मछलीपालन, वर्मीकम्पोस्ट, मशरूम उत्पादन इकाई, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, कृषि मशीनरी, बागवानी शामिल है। ग्रीनहाउस में बेमौसमी फल, सब्जियों आदि एवं औषधीय पादप लगाना भी शामिल है। देश में बढ़ती आबादी और बेराजगारी की समस्या को चुनौती देते हमारे युवा हुए इन विकल्पों से रोजगार का सृजन कर सकते हैं। आज भी ग्रामीण लोगों की आय मुख्य रुप से कृषि पर ही निर्भर है।' आजादी के समय भारत की जनसंख्या 34 करोड़ थी जो आज वर्ष 2022-23 में 137 करोड़ हो गई है। इतनी बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषक सुरक्षा के तहत कृषि उत्पादों को उचित प्रसंस्करण एवं विपणन के माध्यम से उपभोक्ता तक पहुँचाने में लगने वाले संसाधनों में कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है।*

पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र

भारतीय कृषि, पशुपालन एवं डेयरी उद्योग के बिना अधूरी है। युवा अच्छी नस्ल की गाय और भैंस का चयन करके इसे एक अच्छे डेयरी व्यवसाय के रुप में स्थापित कर सकते हैं। खेती और पशुपालन एक दूसरे के पूरक है, कृषि की आय का एक हिस्सा पशुओं से प्राप्त होता है। डेयरी उद्योग पूर्ण रुप से दुग्ध उत्पादन पर निर्भर होता है। पशुओं के गोबर से बनी गैस को ईधन रुप में उपयोग कर सकते है। दुग्ध से बनने वाले विभिन्न प्रकार के उत्पादों जैसे - दुग्ध पाउडर, दही, छाछ, मक्खन, घी, पनीर आदि के उत्पादन व विपणन में लगे हुए छोटे स्तर की डेयरियों, राज्यों के दुग्ध संघ, राष्ट्रीय स्तर पर डेयरी विकास बोर्ड जैसे संस्थानों एवं चमड़े पर आधारित उद्यम द्वारा लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। पशुपालन एवं डेयरी उद्योग में तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करके युवा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

जी.एल. कुमावत
निदेशक,
रॉयल संस्थान,
उदयपुर

मुर्गीपालन में रोजगार

देश की बढ़ती आबादी, रहन-सहन एवं खानपान में परिवर्तन के कारण शाकाहारी वर्ग भी पोषण की दृष्टि से अण्डों का उपयोग करने लगा है। मुर्गीपालन, चिकन प्रसंस्करण को व्यावसायिक रुप में लेकर युवा रोजगार, देश की आय में वृद्धि,देश के निर्यात व जीडीपी को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार द्वारा सब्सिडी के माध्यम से छूट देकर युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जा रहें हैं।

भेड़-बकरी पालन में रोजगार

भेंड़-बकरी पालन में वर्ष 2012 में भेड़-बकरियों की संख्या 65.07 व 135.17 मिलियन थी। यह बढ़कर वर्ष 2019 में 74.26 व 148.88 मिलियन हो गई है। सामान्य तौर पर भेड़-बकरी पालन को कम लागत के साथ शुरु किया जा सकता है। इसी कारण से बकरी को 'गरीब की गाय' कहा जाता है। भेड़ के ऊन, चमड़े एवं इसके मांस की देश के साथ-साथ विदेशों में भी भारी मांग है, जिससे रोजगार के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।

कृषि क्षेत्र की सरकारी योजनाएँ

युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीकी के बारे में जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें मशरुम उत्पादन, मुर्गीपालन, बकरीपालन, मछलीपालन, वर्मी कम्पोस्ट, बेकरी उद्योग, मधुमक्खीपालन, आधुनिक मशीनों से सम्बन्धित प्रशिक्षण मुख्य हैं। युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार सब्सिडी के तहत भारी छूट दे रही है, इसके साथ ही साथ कृषि उत्पादों के विपणन में आसानी एवं फ़सल उत्पादन के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण के लिए जरुरी बुनियादी सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं।

मछलीपालन में रोजगार

भारत का मछली उत्पादन में तीसरा एवं जलीय कृषि में दूसरा स्थान है। राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के अनुसार भारत में मत्स्यपालन से 145 मिलियन लोगों को रोजगार मिला हुआ है। भारत में 333.41 बिलियन टन मछलियों का निर्यात होता है एवं जीडीपी में 1.07 प्रतिशत का योगदान मिलता है। मछलीपालन से जुड़े उद्योग जैसे -श्रेणीकरण, पैकिंग करना, सुखाना एवं पाउडर बनाना, प्रसंस्करण प्रशिक्षण कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई तथा केन्द्रीय मत्स्य तकनीकी संस्थान, कोच्चि से व्यावसायिक रुप से प्रशिक्षण ले सकते हैं।

मधुमक्खीपालन में रोजगार

सरकार ने मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। वर्ष 2005-06 की तुलना में अब शहद उत्पादन 242 प्रतिशत बढ़ गया है। इनके निर्यात में 265 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मधुमक्खीपालन कृषि आधारित, कम समय, कम लागत का लाभदायक व्यवसाय है। वर्ष 2019-20 में शहद का निर्यात 59536.74 मीट्रिक टन हुआ था, मधुमक्खीपालन करने वाले युवाओं को बैंक से ऋण की भी सुविधा उपलब्ध हो रही है।

बागवानी के क्षेत्र में रोजगार

लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए फल, फूल व सब्जियों की निरंतर माँग बढ़ती जा रही है। बागवानी के उत्पादों की दैनिक माँग होने के कारण कम क्षेत्रफ़ल में भी सब्जियों एवं फलों जैसे- केला, नींबू, पपीता एवं पान की खेती करके अधिक लोगों को रोजगार एवं आमदनी मिल सकती है। फल, फूलों व सब्जियों की कटाई-छंटाई, श्रेणीकरण, पैंकिग,

मार्केटिंग, रखरखाव आदि के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ होती है।

औषधीय एवं सुगंधित पादपों की खेती करके रोजगार प्राप्त करना

लहसुन, प्याज, अदरक, पुदीना और चौलाई जैसी सब्जियाँ पौष्टिक होने के साथ-साथ औषधीय गुणों से भी भरपूर हैं, इसी कारण इनसे आयुर्वेदिक औषधियाँ व खाद्य उत्पाद बनाए जाते है। इसके साथ-साथ इनसे सम्बन्धित रोजगार करके अच्छा मुनाफ़ा कमाया जा सकता है।

कृषि उत्पादों के संस्करण के क्षेत्र में रोजगार

कृषि से प्राप्त हुए उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण, जैसे - गन्ने से गुड, मूँगफली से नमकीन, फलों से जूस, कैंडी, जैली, आलू व केले से चिप्स, दुग्ध से दुग्ध पाउडर, दही, पनीर, टमाटर एवं आम से अचार व चटनी तैयार करके तथा मूल्य सवंर्धन से रोजगार स्थापित किया जा सकता है।

कृषि शिक्षा में नौकरी के अवसर

युवा कृषि विषय से शिक्षा लेने के उपरान्त विभिन्न सरकारी नौकरियों एवं निजी संगठनों में नौकरी पा सकते हैं। कृषि विषय से 12वीं पास करके कृषि पर्यवेक्षक, राष्ट्रीय बीज निगम एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रयोगशाला सहायक की नौकरी

पा सकते हैं, साथ ही साथ प्राइवेट क्षेत्र में जैसे - खाद व उर्वरक कम्पनी, कीटनाशक, कृषि यंत्र कम्पनी में नौकरी कर सकते है। कृषि में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद युवाओं के पास विभिन्न सरकारी नौकरियों में जाने का अवसर मिलता है, जैसे - तकनीकी सहायक, सहायक कृषि अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी, उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी आदि। कृषि शिक्षा से परास्नातक के साथ राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा पास करने पर कृषि वैज्ञानिक, सहायक कृषि अध्यापक, कृषि अधिकारी जैसी सरकारी नौकरियाँ प्राप्त कर सकते हैं। कृषि शिक्षा से पढ़ाई करके युवा देश, विदेश में सरकारी नौकरी, प्राइवेट क्षेत्र में नौकरी एवं स्वयं का स्टार्टअप शुरु कर सकता है। वर्तमान देश में कृषि विशेषज्ञों की माँग बढ़ रही है। इसीलिए कृषि विषय युवाओं का पसंदीदा विषय बन रहा है। भारत में कृषि क्षेत्र 50 फीसदी से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है। अत: देश की बढ़ती हुई आबादी को भुखमरी से बचाने एवं जीविकोपार्जन हेतु रोजगार उपलब्ध कराना कृषि से ही सम्भव हैं।

Happy Independence Day

Aashirwad Minerals & Marbles

Mfg. of Soap Stone Powder (Talc Powder), Calcium Carbonate Powder
China Clay Powder, Silica Powder & Dolomite Powder

Office :
E-93, Pratap Nagar,
Udaipur - 313001 (Raj.) INDIA

Factory :
Jyoti Mineral Industries
Plot No. G-1-80, IID Centre
RIICO Ind. Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

Telefax : 0294-2490194 | E-mail : ashirwadtalc@yahoo.com | www.ashirwadminerals.com

प्रोस्टेट कैंसर छुपाएंगे तो बढ़ेगा खतरा

प्रोस्टेट कैंसर तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में शुमार है। दुनिया भर में प्रोस्टेट कैंसर दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है और विश्वभर में कैंसर से होने वाली मौतों का यह छठा प्रमुख कारण है। अतएव इस बीमारी के बारे में जानना और जागरूक रहना ज़रूरी है।

डॉ. दिनेश पुरोहित

पुरूष अपने स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को अकसर छिपाते हैं, खास कर तब जब प्रोस्टेट ग्रंथि से जुड़ी कोई समस्या होती है। यह ग्रंथि पुरूषों के मूत्राशय के नीचे होती है। यूरेथ्रा को चारों तरफ से घेरने वाली यह ग्रंथि वीर्य पैदा करती है। यूरोलॉजिस्ट पुरूषों को इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि अगर प्रोस्टेट संबंधी समस्या के लक्षण उभर रहे हों तो तत्काल डॉक्टरी सहायता लें। प्रोस्टेट (पीयूष ग्रंथि)का आकार करीब 18 ग्राम और अखरोट जैसा दिखता है। वजन 35 ग्राम से अधिक होने पर कैंसर की आशंका रहती है। पुरूषों ने स्वीकार किया है कि जब उन्हें बार-बार तुरंत मूत्र त्याग करने की इच्छा महसूस होती है या उन्हें मूत्र त्यागने में दिक्कत होती है तो वे इस उम्मीद में इन्हें टालते रहते हैं कि यह समस्या अपने आप ठीक हो जायेगी। यह ठीक नहीं है। प्रोस्टेट कैंसर का प्रकोप बढ़ रहा है और दुनिया भर में बुजुर्गों की संख्या बढ़ने के कारण 2030 तक इसके 17 लाख से अधिक नये मामले सामने आ सकते हैं। प्रोस्टेट कैंसर के 10 में से छह मामले 65 वर्ष के अधिक उम्र के लोगों में पाये जाते हैं। प्रोस्टेट कैंसर की जांच प्रोस्टेट स्फेफिक एंटीजन (पीएसए) के बढ़े हुए स्तर को प्रदर्शित करने वाली रक्त जांच और डीआरई (डिजिटल रेक्टल परीक्षण) के जरिये होती है। पीएसए ऐसा प्रोटीन है, जो प्रोस्टेट ग्रंथि में बनता है। जिन पुरूषों में पीएसए स्तर 4 से 10 के बीच होता है, उन्हें प्रोस्टेट कैंसर होने की आशंका 4 में से 1 होती है। अगर पीएसए का स्तर 10 से अधिक होता है तो प्रोस्टेट कैंसर होने की आशंका 50 प्रतिशत से अधिक होती है। हालांकि आज तक प्रोस्टेट कैंसर के सही कारण का पता नहीं चला है, लेकिन ऐसे कई उपाय है, जिनकी मदद से प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता हैं। सब्जियों एवं फलों का सेवन करके, शारीरिक रूप से सक्रिय रह कर तथा अपने वजन पर नियंत्रण रख कर इसका खतरा कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरूषों में मोटापे के तेजी से बढ़ने तथा डायग्नॉस्टिक तकनीकों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आज प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों का पता अधिक संख्या से चल रहा है। इस बीमारी के 50 प्रतिशत तक मामले परिवारों में चलते रहते हैं, जहां मरीज अपने परिवार से इन बीमारी को प्राप्त करता है। जिस व्यक्ति के पिता, भाई या पुत्र को प्रोस्टेट कैंसर होता है, उन्हें यह रोग होने का खतरा दोगुना होता है।

लक्षण पहचानें, परहेज करें

कमर के नीचे दर्द रहता: शुरूआत में इसके लक्षण नहीं दिखते हैं। पुरूषों को कमर के नीचे जैसे कूल्हे, कमर या पैरों में दर्द रहना, पैरों में सूजन, यूरिन का फ्लो कम होना व दर्द या खून आना, स्पर्म में भी खून आना, भूख न लगना या कमजोरी आदि इसके संभावित लक्षण हैं।

अधिक उम्र भी कारण: इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लेकिन मुख्य रूप से पुरूषों में बढ़ती उम्र, टेस्टोस्टेरोन हार्मोन अधिक होना, आनुवांशिक, मोटापा, फैडी फूड ज्यादा खाना भी प्रोस्टेट कैंसर के कारण हो सकता हैं।

फैमिली हिस्ट्री है तो 3 गुना खतरा: 50 की उम्र के बाद हर वर्ष एक बार प्रोस्टेट की जांच करवाएं। डॉक्टरी सलाह से सीरम पीएसए टेस्ट कराएं। फैमिली हिस्ट्री होने पर इस जांच को साल में एक बार अनिवार्य रूप से कराएं। फैमिली हिस्ट्री होने पर कैंसर होने का खतरा 2-3 गुना बढ़ जाता है।

प्रोस्टेट कैंसर रोकने के टिप्स

रेड मीट और डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल कम करें, ताकि इनसे मिलने वाली वसा से बचे रह सकें।

दैनिक आहार से अधिक एंटीऑक्सीडेंट वाले फल और सब्जियों, विशेषकर टमाटर की मात्रा बढ़ा दें।

30 या उससे अधिक बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) होने से प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

50 की उम्र होने पर डीआरई, अल्ट्रासाउंड, यूरोफ्लोमेट्री और पीएसए टेस्ट के माध्यम से अपने प्रोस्टेट की जांच कराएं।

इसका इलाज बीमारी के स्टेज एवं गंभीरता पर निर्भर करता है। शुरू में सर्जरी-रेडियो थैरेपी करते हैं। गंभीर स्थिति में हार्मोन या कीमोथैरेपी दी जाती है। सर्जरी भी एडवांस हो गई है।

डिनर और सोने में अंतर रखें - ताजा फल-सब्जियां ज्यादा खाएं। मैदा, चीनी व जंक फूड का परहेज करें। डिनर और सोने में 2-3 घंटे का अंतर रखें। दिनचर्या अच्छी रखें। वजन नियंत्रित रखें। रोज व्यायाम करें।

-डॉ. सोमेन्द्र बंसल, *जयपुर।*

खसखस खजूरी लड्डू

सामग्री–खजूर 1 कप बीज निकला हुआ
मावा: 1 कप हल्का भूना हुआ
सूखे मेवे: आधा कप कटे हुए
नारियल का बुरादा: एक चौथाई टी स्पून
चीनी बूरा :आधा कप
पोस्तदाना: यानि खसखस 1 बड़ा चम्मच
भूना हुआ घी जरा सा
बनाने की विधि: सबसे पहले खजूर को मैस कर लें फिर पेन में जरा सा घी डालकर मंदी आंच पर भून लें और निकाल लें। अब खजूर में मावा सूखे मेवे, चीनी और थोड़ा पोस्तदाना नारियल हल्का भूनकर सब अच्छी तरह मिलाएं। फिर हाथ में चिकनाई लगाकर मीडियम आकार के लड्डू बनाएं और पोस्तदाने में लपेटकर सर्व करें।

गणेश चतुर्थी के लड्डू-मोदक

सबके प्रिय और प्रथम पूज्य श्री गणेश पूजन की चतुर्थी आने ही वाली है। इस दिन हम उनके प्रिय मोदक बनाकर उनकी पूजा में अर्पण कर सकते हैं। आप भी लीक से हटकर कुछ बनाएं और उनका स्वाद भी लें।

रेणु शर्मा

बेसन मुठिया के लड्डू

सामग्री :बेसन 1 कप
सूजी:1/4 कप बुरा
शक्कर: 100 ग्राम, काजू बादाम पिस्ते की कतरन: 1 टेबल स्पून
इलायची पाउडर: 1 टी स्पून
मावा: 2 टेबल स्पून हल्का भूना हुआ
घी: आवश्यकतानुसार
बनाने की विधि:सर्वप्रथम बेसन में सूजी मिलाकर उसमें घी 1 बड़ा चम्मच मिलाकर अच्छे से मिलाएं, और पानी की सहायता से गूंथ लें। अब कड़ाही में घी डालकर गरम करें और गूंथे आटे की छोटी. लोई बनाकर उसको चपटा करें और गरम घी में मंदी आंच पर तलती जाएं। जब सभी तलकर तैयार हो जाएं तब उसे ठंडा करके उसको मिक्सी में पीस लें। अब उसे कड़ाही में घी डालकर हल्का सा भून लें। बड़ी परात या थाली में छान लें, फिर उसमें सूखे मेवे काजू, बादाम, पिस्ते, झालयची पाउडर, बूरा चीनी तथा मावा इच्छानुसार और गुनगुना घी इतना मिलाएं कि लडडू बनने जैसा मिश्रण हो जाए। फिर इस मिश्रण के लडडू बनाकर रखती जाएं और आवश्यकतानुसार प्लेट में सर्व करती जाएं।

काजू पिस्ता मोदक

सामग्री– काजू का पावडर 2कप,
पिस्ते: 1 कप,
खोआ: आधा कप
चीनी पिसी: डेढ़ कप
इलायची पावडर: एक टी स्पून
चांदी का वर्क: ऊपर से लगाने के लिये
बनाने की विधि: पहले खोआ मंदी आंच पर भून लें। अब पिस्ते को गरम पानी डालकर ब्लान्च करें और पानी से निकालकर छीलें और दरदरा पीस लें। अब भूने मावे में काजू पावडर चीनी मिलाकर एकसा कर लें। अब जरा सा मिश्रण लेकर उसके बीच में पिस्ते का मिश्रण भरकर मोदक का आकार दें और अच्छे से बन्द करें। अब ऊपर से पिस्ता की कतरन चिपका दें या चांदी का बरक लगाकर सर्व करें।

नारियल की बदाम बर्फी

सामग्री– खोया: 250 ग्राम
शक्कर: 125 ग्राम बूरा चीनी
इलायची पावडर 1/2 टी स्पून
हरा रंग: जरा सा लाल रंग: जरा सा
नारियल का चूरा :150 ग्राम
बादाम दो भाग में कटे जरा से
थाली में लगाने के लिए जरा सा
बनाने के विधि–सबसे पहले कड़ाही में खोया और नारियल डालकर मंदी आंच पर भून लें। फिर उसमें इलायची पावडर मिलाकर उसमें शक्कर मिलाएं और तीन भाग करें। एक भाग सफेद रहने दें और दो भाग में से एक में लाल रंग और दूसरे में हरा रंग मिलाएं। अब थाली में चिकनाई लगाकर सबसे पहले हरा फैलाएं, फिर सफेद मिश्रण फैलाएं और सबसे ऊपर लाल मिश्रण अच्छी तरह फैलाएं। इसके बाद हाथ में दवाकर या बेलन से बराबर कर दें। फिर ठण्डा हो जाने पर उसको कट लगा दें और प्रत्येक बर्फी के ऊपर बादाम का एक कटा टुकड़ा लगाकर दबा दें।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह बैचेनी एवं उलझन भरा रहेगा, कोई भी बात अपने से वरिष्ठजनों से साझा अवश्य करें, व्यय में वृद्धि होगी, व्यापार में निवेश से पहले अच्छी तरह सोचें, राजनीति में लाभ मिल सकता है, जीवनसाथी से मतभेद उभरेंगे, अहंकार पर नियंत्रण रखें, पेट से संबंधित पुरानी समस्या उभर सकती है।

वृषभ

यह माह मंगलमय रहेगा, अटके काम पूरे होंगे, आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। परिवार में मेलजोल बढ़ेगा एवं वैचारिक क्षमता में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी, मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी माह उत्तम रहेगा। विद्यार्थी वर्ग को करियर की चिंता जरूर रहेगी।

मिथुन

इस माह अपने को मानसिक रूप से मजबूत पाएंगे, कार्य क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी, पदोन्नति एवं राजकीय सम्मान प्राप्त हो सकता है। माह के तीसरे सप्ताह में दुर्घटना व किसी के साथ बेवजह विवाद संभव। दाम्पत्य जीवन में भी व्यर्थ का विवाद उत्पन्न हो सकता है, व्यापारी संतुष्ट, विद्यार्थी वर्ग को शुभ समाचार मिलेंगे।

कर्क

व्यापार में वृद्धि, किंतु शत्रु पक्ष प्रभावी रहेगा, सावधान रहें। घर–परिवार का अच्छा सहयोग मिलेगा। कर्मचारी वर्ग संतुष्ट रहेगा। प्रतियागी परीक्षा में पूर्ण सफलता मिलेगी, अवसर हाथ से न जाने दे। जीवन साथी का भरपूर सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मनोविचारों को नियंत्रण में रखे।

सिंह

यह माह सुखदायी रहेगा, कई जगह से लाभ अपेक्षित। साथ ही कर्ज में भी वृद्धि संभव। नए क्षेत्र के लोगों से बातचीत को बढ़ावा देंगे, स्वास्थ्य बेहतर होगा, पेट संबंधित कुछ समस्याएं हो सकती है, किसी के प्रलोभन में नहीं आएं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगे जातक लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

कन्या

घर में आध्यात्मिक वातावरण रहेगा, मान,पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, व्यवहार की भी प्रशंसा होगी। छात्रों को शुभ संकेत मिलेंगे, महिलाएं रचनात्मक कार्यों में सफल रहेगी। जीवन साथी से उपेक्षा अनुभूति। व्यापार में नए समझौते मिल सकते हैं। वाणी संयम रखें। कार्य क्षेत्र में वरिष्ठजनों का पूर्ण सहयोग रहेगा।

तुला

गलत आचरण एवं संगति से परिवार में विद्वेष की स्थिति, व्यापार में भी सावधानी रखे। पूर्व में निवेश का लाभ मिल सकता है। सरकारी कर्मचारियों का वरिष्ठ अधिकारी से विवाद संभव, अपने कार्य के प्रति सचेत रहे। पुरानी बीमारी से निजात मिल सकती है, ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार होने से बचें।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 सितम्बर	भाद्रपद कृष्णा तृतीया	कजली (सातू) तीज
5 सितम्बर	भाद्रपद कृष्णा चतुर्थी	संस्कृत दिवस/शिक्षक दिवस/डॉ. राधाकृष्णन जयंती
7 सितम्बर	भाद्रपद कृष्णा अष्टमी	श्री कृष्ण जन्माष्टमी
11 सितम्बर	भाद्रपद कृष्णा द्वादशी	पर्यूषण पर्व प्रारंभ, गोवत्स पूजा
14 सितम्बर	भाद्रपद अमावस्या	हिन्दी दिवस
16 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला प्रथमा	श्री गुरुग्रंथ साहिब जयंती
17 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला द्वितीया	श्री विश्वकर्मा जयंती/बाबा रामदेव जयंती
18 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला तृतीया	हरतालिका तीज
19 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला चतुर्थी	श्री गणेश चतुर्थी/संवत्सरी
20 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला पंचमी	ऋषि पंचमी/दशलक्षण पर्व प्रारंभ
23 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला अष्टमी	श्री राधाष्टमी/महर्षि दधिची जयंती
25 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला दशमी/एकादशी	जलझूलनी एकादशी
28 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला चतुर्दशी	अनंत चतुर्दशी/श्री गणेश प्रतिमा विजर्सन
29 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ला पूर्णिमा	महालया श्राद्ध प्रारंभ
30 सितम्बर	अश्विन कृष्णा प्रथमा	प्रथम श्राद्ध

वृश्चिक

परिवारवालों की आपसे अपेक्षाएं बढ़ेंगी, संयम से काम लें, माता–पिता से मतभेद, पुरुषार्थ के अनुरूप परिणाम में कमी, बिल संबंधित निर्णय वरिष्ठजनों के परामर्श से ही करें, कार्यक्षेत्र में आपसी मनमुटाव संभव, जिन्हें श्वांस संबंधित समस्या है, विशेष ध्यान रखे, मानसिक अवसाद से बचें।

धनु

व्यवहार में विवेकशीलता लाएं व दूसरों के प्रति मृद् स्वभाव रखें। उग्र स्वभाव से हानि हो सकती है। परिवार में मनमुटाव संभव, व्यापार में बड़े समझौते से बचें, भूमि संबंधित निवेश में लाभ मिलेगा। पुराने विवाद में सुलह, अपच, कब्ज परेशानी दे सकती है।

मकर

माह के मध्य में परिवार में धार्मिक आयोजन संभव। व्यापार में नए समझौते इस माह टालें तथा किसी भी क्षेत्र में निवेश से बचें। राजनीति में नये आयाम स्थपित करेंगे, जीवनसाथी के प्रति लगाव बढ़ेगा, मधुमेह व उच्च रक्तचाप के रोगी विशेष रूप से सर्तक रहें, माह के अंत में बैचेनी संभव।

कुम्भ

व्यवहार में चिड़चिड़ापन रहेगा, क्रोध पर नियंत्रण रखें, पुराने मित्रों से भेंट होगी, व्यापारिक दृष्टि से शुभ है। नए स्रोत से आय होगी, परंतु मन संतुष्ट नहीं रहेगा, बेवजह किसी से दुश्मनी नहीं पाले। दाम्पत्य जीवन में उदासी, मानसिक चिंता किंतु शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

मीन

विरोधियों द्वारा परिवार में कटुता का प्रयास, घर में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे, कई नए अवसर, जिनसे लाभ मिलेगा। कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होगी, जो नए क्षेत्रों में काम करने को उत्साहित रहेगा, स्वास्थ्य उत्तम, प्रतियोगी परीक्षार्थी लक्ष्य में सफल रहेंगे।

प्रत्यूष समाचार

मातृशक्ति राष्ट्रीय सेमीनार, डॉ. ममता पुरस्कृत

चित्तौड़गढ़। मातृशक्ति थीम पर आधारित राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन गत दिनों होटल पन्ना में ग्वालियर, के 'गोपाल किरण समाज सेवी संस्थान' ने किया। जिसमें महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, लसाड़िया के उप प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र पालीवाल को 'सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ.बी.आर. अंबेडकर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लखमीचंद गौतम,अंडर सेक्रेट्री महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा

विशिष्ट अतिथि कैलाश चंद्र मीणा (आई.एफ.एस), डॉ. बी.पी. अशोक (आई.पी.एस) राजस्थान, तथा भारतीय इंजीनियरिंग सेवाओं के आर.एस.वर्मा और संस्थान एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्री प्रकाश सिंह नीमराजे थे। माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी कॉलेज में हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. ममता पानेरी को भी समारोह में स्त्री विमर्श पर उनकी रचनाओं हेतु 'ग्लोबल प्राइड वुमन अवार्ड-2023' से सम्मानित किया गया।

डॉ. स्वीटी, डॉ. पूजा एवं डॉ. दृष्टि को अवार्ड

उदयपुर। साशा मीडिया सोल्यूशन प्रालि की ओर से दिल्ली में आयोजित मिलेनियम ब्रिलियन्स अवार्ड समारोह में उदयपुर की एनआईसीसी की निदेशक डॉ. स्वीटी छाबड़ा, डॉ. पूजा छाबड़ा एवं डॉ. दृष्टि छाबड़ा को उनके द्वारा बनाए गए ब्यूटी प्रोडक्ट इन इंडिया के लिए बेस्ट मिलेनियम ब्रिलियन्स अवार्ड से बॉलीवुड कलाकार मलाइका अरोड़ा ने नवाजा।

युवा महोत्सव विजेता पुरस्कृत

उदयपुर। नगर निगम परिसर स्थित सुखाड़िया रंगमंच पर जिला स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के आयुक्त ताराचंद मीणा ने कहा कि राजस्थान युवा महोत्सव ने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षक देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया है। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति जिला संयोजक पंकज कुमार शर्मा, समाजसेवी कचरूलाल चौधरी, हर्षवर्द्धन सिंह, युवा बोर्ड सदस्य अजीत चौधरी, युवा महोत्सव समन्वयक भैरूलाल गायरी भी बतौर अतिथि मंचासीन थे। समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मुग्ध सा कर दिया।

राजेंद्र सिंह डी.लिट से सम्मानित

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय ने 17वें विशेष दीक्षांत समारोह में मैग्सेसे पुरस्कार विजेता डॉ. राजेन्द्र सिंह को जल, जंगल, जमीन बचाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए डी.लिट की उपाधि से नवाजा। मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मटेरियल स्वीडन के निदेशक डॉ. आशुतोष तिवारी, विशिष्ट अतिथि कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, पीजी डीन प्रो. जीएम मेहता थे, अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय जानी ने की। कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने अतिथियों का स्वागत किया।

हुंडई ने की इलेक्ट्रिक व्हीकल आयोनिक 5 की लॉन्चिंग

उदयपुर। बड़ोला हुंडई पर इलेक्ट्रिक व्हीकल आयोनिक 5 की लॉन्चिंग मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने की। अग्रवाल ने कहा कि भविष्य में इलेक्ट्रिक कारों का ही बोलबाला रहेगा। निदेशक नक्षत्र तलेसरा ने कहा कि हुंडई विश्व स्तरीय कारों और ग्राहक सेफ्टी तथा वैल्यू फॉर मनी को ध्यान में रखकर बनाई जाती है।

पाठक ने रजिस्ट्रार का पदभार संभाला

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नए रजिस्ट्रार विनय पाठक ने कार्यभार ग्रहण किया। वे जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से स्थानांतरित होकर आए हैं।

डॉ. सीमा चेयरपर्सन नियुक्त

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति ने भूगोल विभाग की प्रोफेसर डॉ. सीमा जालान को तीन वर्ष के लिए भूविज्ञान संकाय का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। जालान वर्तमान में भूगोल विभाग की अध्यक्ष एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल की सदस्या भी हैं।

दिव्यांगता को परास्त कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के राजस्थान सीईओ और सीएमडी डॉ. अरविंदर सिंह ने हाल ही 80 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद क्वाड बाइक पर लेह-लद्दाख के खतरनाक खारदुंग ला दर्रे को पार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस साहसिक और चुनौतीपूर्ण सफलता के साथ उन्होंने ऐसा करने वाले पहले और एकमात्र शारीरिक रूप से 80 प्रतिशत दिव्यांग के रूप में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में अपना नाम दर्ज करवाया है। वह जगह कड़ाके की ठंड, दुर्गम पहाड़ियों तथा

ऑक्सीजन की कमी के कारण चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। दुनिया के सबसे ऊंचे मोटरेबल शिखरों में शामिल इस चुनौतीपूर्ण दर्रे को पार करने पर लद्दाख के ले.गवर्नर डॉ. बीडी मिश्रा ने डॉ. अरविंदर सिंह को विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्हें लेह-लद्दाख में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी.डी. नित्या, चीफ एक्जीक्यूटिव काउंसलर ताशी ग्यालसन, एक्सीक्यूटिव काउंसलर गुलाम मेहदी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नूरजिन अंगमो ने बधाई दी।

'अदबी उड़ान' अंक का लोकार्पण

उदयपुर। अदबी उड़ान के 31वें अंक का लोकार्पण व काव्य गोष्ठी का आयोजन गत दिनों राजस्थान साहित्य अकादमी सभागार में हुआ। अदबी उड़ान संस्था के अध्यक्ष-सम्पादक खुर्शीद शेख 'खुर्शीद' ने बताया कि अब हर माह काव्य गोष्ठी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय लोक कला मण्डल के निदेशक डॉ. लईक हुसैन थे। अध्यक्षता आबिद अदीब ने की। विशिष्ट अतिथि दिनेश दीवान व रामदयाल मेहरा थे। खुर्शीद ने बताया कि 'अदबी उड़ान' का आठवां पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 15 अक्टूबर 2023 को उदयपुर में होगा।

सीआईपी लाउंज का शुभारंभ

उदयपुर। महाराणा प्रताप हवाई अड्डा, उदयपुर के प्रस्थान क्षेत्र में सी.आई.पी. लाउन्ज का शुभारंभ हवाई अड्डा सलाहकार समिति के अध्यक्ष चित्तौड़ सांसद एवं प्रदेशाध्यक्ष भाजपा सीपी जोशी ने किया। इस अवसर पर विमानपत्तन निदेशक योगेश नगाइच भी उपस्थित थे।

एमयूवी नई सेल्टोस की प्री-बुकिंग शुरू

उदयपुर। कार कंपनी किआ ने कंपनी के अधिकृत डीलर राजेश मोटर्स पर एमयूवी नई

सेल्टोस के अनावरण के साथ ही बुकिंग शुरू कर दी। नई सेल्टोस का अनावरण राजेश मोटर्स के निदेशक राहुल शाह एवं आईसीआईसीआई रिटेल के जोनल हेड नितिन बागमार ने किया। सेल्टोस में सर्वाधिक एवं अत्याधुनिक फीचर्स मौजूद हैं। इसमें डुअल जोन एयर कंडीशनर, पेनारोमिक सनरूफ तथा 20.50 इंच की डिजिटल एचडी टच स्क्रीन है। यह कार अपनी श्रेणी में 160 पीएस क्षमता की सबसे ताकतवर इंजिन के साथ उपलब्ध है। उपरोक्त कार एडीएएस 2.0 वर्जन के साथ उपलब्ध है। जिसमें 17 नए सेफ्टी फीचर है।

सेवादल अध्यक्ष का स्वागत

उदयपुर। सेवादल के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र ओदिच्य का सम्मान कांग्रेस नेता पार्षद गोपाल नागर के नेतृत्व में किया गया। साथ ही विधानसभा उदयपुर शहर अध्यक्ष मोहन सिंह सिसोदिया और सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष उदयपुर हितेश साहू का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष सोमेश्वर मीणा, अजय सिंह, चमन सिंह, विक्रम सालवी भी उपस्थित थे।

डॉ. लुहाड़िया चेस्ट सम्मेलन में बने विशिष्ट वक्ता

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अतुल लुहाड़िया को बीकानेर में आयोजित राजपल्मोकॉन-2023 राज्य चेस्ट सम्मेलन में उदयपुर से विशिष्ट वक्ता के रूप में चुना गया। डॉ. लुहाड़िया ने सीने में बार-बार पानी भरने के निदान और इलाज में काम आने वाली मेडिकल थोरैकोस्कोपी तकनीक की करंट गाइडलाइंस के बारे में बताया एवं अपना अनुभव साझा किया। गीतांजली अस्पताल में डॉ. अतुल एवं उनकी टीम अब तक लगभग 550 मरीजों की सफल थोरैकोस्कोपी कर निदान एवं इलाज कर चुकी है।

शिक्षा क्षेत्र में फिरदौस खान सम्मानित

उदयपुर। गुरू नानक उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्री सर्कल के प्रिंसिपल फिरदौस खान पठान को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं लेखाशास्त्र विषय के अध्यापन द्वारा लेखाक्षेत्र में 30 सफल चार्टर्ड अकॉउंटेंट उपलब्ध कराने के लिए 77वें संभागीय जिला स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने प्रशंसा पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल व पूर्व कलेक्टर ताराचंद मीणा भी उपस्थित थे।

रॉकवुड्स में फ्रेंड्स फॉर एवर कार्यक्रम

उदयपुर। अच्छा जीवन यापन करने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। इसी सोच को चरितार्थ करते हुए रॉकवुड्स स्कूल में फ्रेंड्स फॉर एवर कार्यक्रम हुआ। विद्यार्थियों को 'धरोहर' नामक संस्था से लगभग 2500 पौधे उपलब्ध करवाए, जिन्हें विद्यार्थी अपने घरों के आस-पास लगाएंगे। इनकी देखभाल कर हर 15 दिन में फोटो भेजनी होगी। इसका प्रेजेंटेशन देना होगा, वहीं छोटे बच्चे चार्ट पर पौधे के विकास के बारे में बताएंगे।

होजरी एसोसिएशन प्रतिभा सम्मान

उदयपुर। उदयपुर रेडिमेट एंड होजरी एसोसिएशन का चतुर्थ प्रतिभा सम्मान एवं स्नेह मिलन आयोजित हुआ। संगठन के राकेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम अध्यक्ष प्रभा गौतम पूर्व अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य अतिथि राजकुमार जैन मुख्य वन संरक्षक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मधु मेहता पूर्व जिला प्रमुख, रेडिमेट एंड होजरी स्टेशन एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार भूरा लाल जैन, अध्यक्ष राजमल जैन, महामंत्री अक्षय जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित लोढा एवं कार्यक्रम संयोजक अशोक मंगवानी उपस्थित थे। समारोह में बच्चों, कपल व ग्रुप गेम्स के साथ पूल पार्टी का भी आयोजन रखा गया। संस्था से जुड़े नए मेंबर्स का सम्मान किया गया।

सिंघानिया विवि: रोपे 250 से अधिक पौधे

उदयपुर। गो ग्रीन को बढ़ावा देने के लिए सर पदमपत सिंघानिया विवि में 250 से अधिक पौधे रोपे गए। अध्यक्ष और कुलपति प्रो. डॉ. पद्मकली बनर्जी ने पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने और हरित व टिकाऊ भविष्य के निर्माण की दिशा में विश्वविद्यालय के सामूहिक प्रयास को प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया। कर्नल डॉ. संजीव तोमर प्रो. प्रेसिडेंट, डॉ. मोनिका आनंद डिप्टी डीन छात्र कल्याण, डॉ. भावना अधिकारी डीन अकादमिक आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।

दिनेश अध्यक्ष गजेन्द्र सचिव

उदयपुर। श्रीलश्करी अग्रवाल पंचायत के चुनाव कृष्णमुरारी जिंदल के निर्देशन में हुए। जिसमें अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नागरमल अग्रवाल, सचिव गजेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राहुल गर्ग और कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। इस अवसर पर आमसभा का आयोजन किया गया। जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष रामचंद्र मित्तल, प्रकाशचंद अग्रवाल, हरीश जिंदल, संतलाल अग्रवाल, शिव प्रकाश अग्रवाल, नंदवाल अग्रवाल आदि समाजजन उपस्थित थे।

भानावत को साहित्य सम्मान

उदयपुर। डॉ. महेन्द्र भानावत को राजस्थान साहित्य अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण एवं सचिव बसंत सिंह सोलंकी ने सम्मानित किया। विशिष्ट साहित्यकार सम्मान के तहत डॉ. भानावत को 51 हजार रूपए का चेक, शॉल एवं सम्मानपत्र भेंट किया गया।

अनुष्का एकेडमी: छात्रों का सम्मान

उदयपुर। हाल ही संपन्न एसएससी सीजीएल परीक्षा में अनुष्का एकेडमी के चयनित छात्र रोहित वर्मा, रोहित जायसवाल, यश्वी जैन, प्रफुल्ल शर्मा का सम्मान किया गया। संस्थापक डॉ. एस.एस. सुराणा द्वारा विद्यार्थियों के चयन पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

डॉ. कुमावत को एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। डॉ. बीआर अम्बेडकर चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नेशनल सोशल वर्कर एक्सीलेंस अवार्ड 2023 से आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत को सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवार्ड शांति निर्माण, सामाजिक कल्याण गतिविधियों के माध्यम से मानवता की सेवा के लिए मिला है।

शांता प्रिंस संस्था प्रतिनिधि मनोनीत

उदयपुर। राज्य सरकार के स्वैच्छिक क्षेत्र विकास केंद्र द्वारा संत ज्वालाप्रसाद वेलफेयर सोसायटी की संस्थापिका शांता प्रिंस की स्वयंसेवी संस्था प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया गया।

वया उपाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। जैन राजनीतिक चेतना मंच के प्रदेशाध्यक्ष मुकेश जैन ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उदयपुर से पूर्व पार्षद नानालाल वया, चित्तौड़गढ़ से इन्द्रमल सेठिया को उपाध्यक्ष, दिलीप जारोली को मंत्री के पद पर मनोनीत किया।

जोशी लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष

उदयपुर। लघु उद्योग भारती उदयपुर की सातों इकाइयों का गत दिनों निर्वाचन हुआ। कार्यकारिणी में मनोज जोशी पुन: अध्यक्ष चुने गए। कलड़वास इकाई के अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह राठौड़, सचिव अभिजीत शर्मा व कोषाध्यक्ष राकेश काबरा बनाए गए। मादड़ी इकाई के अध्यक्ष हेमंत जैन, सचिव अरूण बया और कोषाध्यक्ष प्रकाश फुलानी निर्वाचित हुए। सुखेर इकाई के अध्यक्ष रोबिन सिंह, सचिव राजेश शर्मा व कोषाध्यक्ष हरीश कुमावत मनोनीत किए गए। गुडली इकाई के रवि शर्मा अध्यक्ष, दीपक हरकावत सचिव व कैलाश शर्मा कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कप्पू का 101वीं बार रक्तदान

उदयपुर। शहर के रक्तवीर रविंद्रपाल सिंह कप्पू ने पिछले दिनों एमबी चिकित्सालय के ब्लड बैंक में 101वीं बार रक्तदान किया।

दाधीच को बाल साहित्य मनीषी सम्मान

जयपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी जयपुर की ओर से बाल साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उदयपुर के तरूण कुमार दाधीच को बाल साहित्य मनीषी सम्मान प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी अकादमी अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने दी।

माथुर बने वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता

उदयपुर। सुविवि के वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. पीके सिंह का कार्यकाल 31 जुलाई को पूरा हो गया। उनकी जगह बैंकिग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश माथुर ने अधिष्ठाता एवं वाणिज्य संकायाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

शकील हुसैन टीएडी में नियुक्त

उदयपुर। पूर्व जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग में सहायक खेल अधिकारी का पद्भार ग्रहण किया। हुसैन ने बताया कि उदयपुर के पूर्व जिला कलक्टर ताराचंद मीणा के नेतृत्व में जिले में खेलों के विकास के लिए अभिनव प्रयास किए गए जिनकी बदौलत हजारों खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि जनजाति अंचल में विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं और खेलों के विकास की अपार संभावना है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री गणेशलाल जी चौधरी (जैन) मादड़वाला का 19 जुलाई को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी मनीषा देवी, पुत्र गौरव, पुत्री श्रीमती शिखा कोठारी व पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री रूद्राक्ष जी जैन का आकस्मिक देहावसान 20 जुलाई को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता नमिता-गजेन्द्र जैन (नगर परिषद की निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष), भाई उद्धव, आदित्य, हिमाक्ष, ईशांक व बहिन भारवी, मिशीका सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुंदरलाल जी आंचलिया का 28 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी, श्रीमती विमला देवी, पुत्र दिलीप व मनोज आंचलिया, पुत्री कल्पना, पौत्र-पौत्रियों, भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं सुप्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. भंडारी का 19 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र कलित, डॉ. हरित, पुत्री अणिमा बोर्डिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र एवं भाई-बहिनों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। उन्हें फादर ऑफ पीडियाटिक्स भी कहा जाता है। उन्होंने करीब 10 पुस्तकें लिखी। उनका जन्म 1938 में बड़गांव पंचायत समिति के ग्राम लखावली में हुआ था।

उदयपुर। श्री श्यामकरण जी शर्मा (गुर्जरगौड़) का 27 जुलाई को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती ममता देवी, पुत्र निलेश व अंकित, पुत्री खुशबू तथा भाई-भतीजों, पौत्री, दोहित्र-दोहित्री का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

Alakh Nayan Mandir Eye Institute

अलख नयन

आई हॉस्पिटल

World Class
Super-specialized Eye care

First NABH Accredited Eye Hospital in South Rajasthan

विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा

Cataract

- Phaco-emulsification: with ALCON (USA) and ABOTT (USA) Machines With world class latest technoloy
- Multi-focal Lenses
- Tri-focal Lenses
- Toric Lenses
- Panoptix Lenses

Glaucoma

- Trabeculectomy with Ologen
- ND Yag Laser Trabeculoplasty
- Applanation Tonometry
- Gonioscopy
- HVF, OCT
- Non-contact Tonometry

Refractive services

- Optimized and customized Lasik Laser for removal of spectacles
- Epi-Lasik
- Lasek
- PTK
- Refractive IOLs

Retina

- Retinal Detachment Surgeries
- Management of Diabetic Retinopathy
- Pneuamatic Retinopexy
- Optical Coherence Tomography
- Flurosceine Angiography
- Red & Green Lasers
- Photo-Dynamic Therapy – AMD
- Vitreous Surgery
- ROP (Retinopathy of Prematurity) screening for infants

Cornea

- Corneal Transplantation, Keratoplasty
- C3R for Keratoconus
- Pterygium with MMC / Autograft
- Amniotic Membrane graft
- Pentacam
- Specular Microscope
- DSEK, DMEK, DALK

Oculoplastics

Child Eye Care

24/7 Emergency Services

Low Vision Clinic

Empanelment / मान्यता प्राप्त

•राजस्थान राज्य के कर्मचारी व पेंशनर्स (RGHS) • भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल लिमिटेड (RSMML) • मोहनलाल सुखाड़िया युनिवर्सिटी (MLSU) • एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया (AAI) • अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (AVVNL) • महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय (MPUAT) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया (UTI) • रिलायंस जनरल इन्शोरेन्स (Reliance) • हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) • चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (BSBY) • विडाल मेडिकॉप इन्शोरेन्स टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड (VIDAL) • सरस डेयरी उदयपुर (SARAS dairy) • पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेस एण्ड इन्शोरेन्स टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड (Paramount)

'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर 0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल्स

(NABH प्रमाणित हॉस्पीटल्स)

3 हॉस्पीटल, 1 लक्ष्य : गुणवत्तापूर्ण सर्वोत्तम इलाज

यही है 18 वर्षों से लाखों मरीजों का विश्वास

90+ आईसीयू बेड | 400 + डॉक्टर | 2 कैथलेब

Most Advance **TF Laser** द्वारा प्रोस्टेट व स्टोन का उपचार

24 x 7 सेवाएं इमरजेन्सी । ट्रोमा । एम्बुलेन्स । पैथोलॉजी । फार्मेसी

विश्व की सर्वोत्तम, राजस्थान की **प्रथम**

टोमोथेरेपी
रेडियेशन मशीन

- इंटीग्रेटेड सीटी स्कैनर
- ऑप्टीकल उपचार
- कम साइड इफेक्ट्स
- 3-डी इमेज गाइडेन्स
- फोकस्ड रेडियेशन
- अधिक प्रभावी

जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल

जीबीएच कैंसर हॉस्पीटल

अमेरिकन इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से सम्बद्ध जीबीएच जनरल हॉस्पीटल

चिरंजीवी, RGHS, ECHS, ESI, RSMM, हिंदुस्तान जिंक, रेलवे एवं सभी महत्वपूर्ण TPA व इंश्योरेन्स से अधिकृत हॉस्पीटल

जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल्स

जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल
भट्ट जी की बाड़ी, 0294-35 35 000

जीबीएच जनरल हॉस्पीटल
बेड़वास, 0294-35 36 000

जीबीएच कैंसर हॉस्पीटल
बेड़वास, 0294-35 36 000

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

हमारी आज़ादी के 76 साल

भारत का ज़िंक बेमिसाल
इमारतों का जंग से रखे ख़्याल

कुपोषण से दूर रहे नोनिहाल
आँखों, बालों, त्वचा और दिल की इम्युनिटी से करें देखभाल

World's leading integrated **Zinc-Lead Producer**
Among top 5 integrated **Silver Producer**

Hindustan Zinc Limited
Yashad Bhawan, Near Swaroop Sagar, Udaipur-313004, Rajasthan-India.
PH: +91294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN - L27204RJ1906PLC001208

www.facebook.com/HindustanZinc | www.twitter.com/CEO_HZL | www.twitter.com/Hindustan_Zinc | www.linkedin.com/companyhindustanzinc | www.instagram.com/hindustan_zinc

UCWL UDAIPUR CEMENT WORKS LIMITED

PLATINUM SUPREMO CEMENT | PLATINUM HEAVY DUTY CEMENT

घर बनाएं प्लैटिनम स्ट्रॉन्ग

मज़बूत निर्माण को चाहिए चैम्पियन की ताकत। निर्माण कार्यों की स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए, उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड पेश करते हैं प्लैटिनम हैवी ड्यूटी सीमेंट और प्लैटिनम सुप्रीमो सीमेंट। जो बने हैं आधुनिक तकनीक से और एक चैम्पियन की तरह हैवी ड्यूटी निर्माण करके, हर घर को बनाते हैं ज़बरदस्त स्ट्रॉन्ग।

हेल्पलाइन न.: 1800 102 2407 www.udaipurcement.com facebook.com/platinumhdcement instagram.com/platinumhdcement

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 21 अंक 5, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001